C M Y K

आज का विचार

अपनत्व का कोई रूप नहीं होता जब किसी की अनुभूति स्वयं से भी अधिक अच्छी लगे वही अपनत्व है...

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा

वर्ष-25 अंक-161 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर बुधवार 2 जुलाई, 2025

खदान के भीतर केबल चुराने घुसे युवक तीसरे दिन आए पकड़ में,पुलिस को सौंपा

इंग्लैंड में बने 820 रन, कई बल्लेबाजों ने जड़े शतक, टूट गया 125 साल पुराना रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री साय ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का किया शुभारंभ, इज ऑफ डूइंग बिजनेस में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य

◆ भारत का नया ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है छत्तीसगढ़ - साय ◆ 1 लाख 23 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त : 20 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार ◆ लॉजिस्टिक नीति एवं जन विश्वास विधेयक से छत्तीसगढ़ में विकास को मिलेगी नई गति

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग-2 के शुभारम्भ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल कोर सेक्टर तक सीमित नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फार्मा, डिफेंस, एयरोस्पेस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे अत्याधुनिक उद्योगों का राष्ट्रीय केंद्र बनने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री श्री साय ने निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति रोजगार और आर्थिक समृद्धि पर केंद्रित है। हम अपने राज्य को नक्सल प्रभावित अतीत से बाहर निकालकर देश का सबसे गतिशील औद्योगिक और तकनीकी हब बना रहे हैं। यह प्रदेश अब निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि एक दिन पूर्व ही आयोजित केबिनेट की बैठक में हमने छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया है। यह नीति छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति देश की कनेक्टिविटी का केंद्र बिंदु है। यह नीति लॉजिस्टिक सेक्टर और ई-कॉमर्स में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करेगी, निर्यात अधोसंरचना को मजबूत करेगी और सस्ती भंडारण सुविधाओं का विस्तार करेगी। लॉजिस्टिक नीति से राज्य में ड्राई पोर्ट, इनलैंड कंटेनर डिपो की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा, उद्योग, व्यापार और किसानों को आधुनिक, सस्ती भंडारण और वितरण सुविधा प्राप्त होगी, लॉजिस्टिक लागत में कमी के माध्यम से व्यापार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जन विश्वास विधेयक से व्यवसाय और नागरिक जीवन में अनावश्यक जटिलताएं दूर होंगी। कुछ कानूनों के प्रावधानों का गैर-अपराधीकरण करने से व्यवसायियों को बेवजह न्यायालयीन प्रकरणों में फंसने से राहत मिलेगी और न्यायिक खर्च में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से व्यापार व जीवनयापन में सहजता सुनिश्चित की जाएगी। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार का प्रयास है कि निवेशकों, उद्योगपतियों और नागरिकों के लिए ऐसा परिवेश बने जिसमें न्यूनतम बाधाएं हों और विकास के हर क्षेत्र में अधिकतम संभावनाएं खुलें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में 350 से अधिक संरचनात्मक सुधार लागू किए गए हैं, जिनसे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस में अभूतपूर्व सुधार हुआ। प्रदेश में निवेश का वातावरण इतना सशक्त हुआ कि सिर्फ छह महीनों में साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो छत्तीसगढ़ के औद्योगिक इतिहास में रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु में आयोजित इंवेस्टर्स समिट से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने भारी उत्साह दिखाया। दिल्ली समिट में 15,184 करोड़ रूपए, मुंबई में 6,000 करोड़ रूपए और बेंगलुरु में ऊर्जा क्षेत्र में वृहद निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। छत्तीसगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025 में 1,63,749 करोड़ रूपए का निवेश आकर्षित किया, जो भारत के कुल निवेश का 3.71 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि पॉलीमैटेक कंपनी को सेमीकंडक्टर निवेश के लिए मात्र तीन महीनों में जमीन आवंटित कर एनओसी जारी की गई और अब कंपनी ने 1,143 करोड़ रूपए के प्रोजेक्ट पर कार्य आरंभ कर दिया है, जहां प्रतिवर्ष 10 अरब चिप उत्पादन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य नवा रायपुर को सिलिकॉन वैली ऑफ छत्तीसगढ़इ के रूप में स्थापित करना है। निवेशकों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 विकसित किया गया है। यह प्रणाली ऑनलाइन आवेदन, विभागीय अनुमोदन और सब्सिडी वितरण को एकीकृत करती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी व्यवस्था इतनी पारदर्शी और तेज है कि उद्योग स्थापना की सभी स्वीकृतियां एक क्लिक में प्राप्त हो सकेंगी।

कनेक्टिविटी और अधोसंरचना में क्रांतिकारी पहल

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि रावघाट से जगदलपुर तक 3,500 करोड़ रूपए की रेललाइन की मंजूरी मिल चुकी है। कोठागुडेम से किरंदुल तक रेललाइन पर सर्वे शुरू हो गया है और खरसिया-परमालकसा रेललाइन औद्योगिक केंद्रों को जोड़ेगी। जलमार्ग संबलपुर से नवा रायपुर तक आरंभ होगा। एयर कार्गो सेवाएं भी सक्रिय हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एआई डाटा सेंटर पार्क देश का पहला पार्क है। फार्मा सेक्टर में फार्मा हब और मेडिसिटी का निर्माण हो रहा है। टेक्सटाइल और फार्मा में विशेष अनुदान उपलब्ध हैं।

बस्तर और सरगुजा : विकास की नई गाथा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी नक्सलवाद से प्रभावित बस्तर अब 'विकसित बस्तरइ के सपने को साकार कर रहा है। 90,000 युवाओं को कौशल विकास और 40,000 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। वहां विशेष निवेश प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं। बस्तर में अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए बस्तर दशहरा का पंजीकरण कराया जा रहा है। तीरथगढ़ ग्लास ब्रिज और बस्तर टूरिज्म सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। आदिवासी उद्यमियों के लिए रॉयल्टी रिइंबर्समेंट और सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

युवाओं को अवसर, निवेशकों को विश्वास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति में अगले पांच वर्षों में 5 लाख से अधिक रोजगार सृजित करने का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल, फार्मा, एआई, डिफेंस, ऊर्जा और मेडिकल टूरिज्म - इन सभी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ अगले दशक की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मैं सभी उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि छत्तीसगढ़ में निवेश करें। यहां हर सुविधा और भरोसे के साथ विकास में सहभागी बनें। हम मिलकर विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के प्रति सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश में चल रहे व्यापक विकास और सुरक्षा अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक नक्सल समस्या का संपूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करना है, ताकि सभी प्रभावित क्षेत्रों में शांति, स्थिरता और विकास की नई शुरूआत हो सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का शुभारंभ किया। इससे अनुमतियों में लगने वाला समय घटकर रिकॉर्ड समय में आएगा। यह इज ऑफ डूइंग बिजनेस में छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार उद्योगों के लिए सरल, पारदर्शी और तेज प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के माध्यम से निवेशकों को आवश्यक स्वीकृतियाँ अब न्यूनतम समय में प्राप्त होंगी, जिससे प्रदेश में निवेश का माहौल और मजबूत होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि नई औद्योगिक नीतियों और सहज अनुमतियों की व्यवस्था से छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाएगा। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने उपस्थित उद्यमियों से अपील की कि वे छत्तीसगढ़ में निवेश कर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। नवीन औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों में भू खंड ऑनलाइन आबंटन हेतु उपलब्ध कराए गए हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 11 प्रमुख कंपनियों से प्राप्त 1 लाख 23 हजार 73 करोड़ के निवेश प्रस्ताव के लिए उन्हें इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र सौंपा, जिससे 20 हजार 627 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। जिन निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र सौंपा गया उनमें मेसर्स सारडा हाइड्रोपावर रायपुर, मेसर्स आर्टिफिशियल इलेक्ट्रॉनिक्स इंटेलिजेंस मटेरियल्स लिमिटेड चेंगापट्टू तमिलनाडू, मेसर्स केजेएसएल कोल एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड कोरबा, मेसर्स जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड कोलकाता, मेसर्स ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड नासिक महाराष्ट्र, मेसर्स करमवीर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड मेरठ उत्तरप्रदेश, मेसर्स एसजी ग्रीन बिल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, मेसर्स जिंदल स्टील छत्तीसगढ़ लिमिटेड रायगढ़, मेसर्स जिंदल पावर लिमिटेड (थर्मल पावर), मेसर्स जिंदल पावर लिमिटेड (सोलर पावर) और मेसर्स वीटेक प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड शामिल हैं। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, सीएसआईडीसी के चेयरमैन श्री राजीव अग्रवाल, सीएसआईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री विश्वेश कुमार, सीजी स्पंज आयरन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार मंडल तथा लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश सिंघानिया सहित अनेक उद्योग प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कुछ अलग

तेलंगाना में फार्मा प्लांट विस्फोट में अब तक 34 की मौत, सीएम रेड्डी घटनास्थल का दौरा करेंगे

तेलंगाना ,01 जुलाई (ए)। तेलंगाना के पशम्यलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने मंगलवार सुबह बताया कि मलबा हटाते वक्त कई शव बरामद हुए। मलबे से अब तक 31 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बचाव अभियान का अंतिम चरण अब भी जारी है। सोमवार को को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्करू नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की थी। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री सी. दामोदर राजनरसिम्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आज दुर्घटना स्थल का दौरा करेंगे।

खरी-खरी

90 डिग्री मोड़ वाले ब्रिज पर सीएम का एक्शन, इंजीनियर सस्पेंड, एजेंसी ब्लैकलिस्ट

पाक की परमाणु धमकी से हम डरने वाले नहीं, इजरायल-ईरान की मदद के लिए भारत तैयार : जयशंकर

नई दिल्ली ,01 जुलाई (ए)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत को एक सभ्यतागत राष्ट्र, बहुलतावादी लोकतंत्र, प्रतिभा का स्रोत, कूटनीतिक सेतु और वैश्विक दक्षिण की आवाज बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ व्यापार समझौता करने में सफल होगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 'न्यूजवीकइ के सीईओ डेव प्रगाड़ के साथ एक खास बातचीत में भारत की भूमिका और स्थिति पर अपने विचार साझा किए।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर जयशंकर ने कहा, हम एक बहुत ही जटिल व्यापार वार्ता के बीच में हैं, उम्मीद है कि बीच से भी अधिक बीच में। मेरी उम्मीद होगी कि हम इसे एक सफल निष्कर्ष पर ले जाएं। मैं गारंटी नहीं दे सकता, क्योंकि उस चर्चा में एक और पक्ष है। मुझे विश्वास है कि यह संभव है और मुझे लगता है कि हमें अगले कुछ दिनों तक इस क्षेत्र पर नजर रखनी होगी।

उन्होंने कहा कि ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। जयशंकर ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रतिकार के रूप में काम करने वाले देशों के क्वाड के भीतर देशों के बीच संबंधों के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आपके पास चार देश हैं, एक तरह से इंडो-पैसिफिक के चार कोने, जिन्होंने वास्तव में यह तय किया है कि एक स्थिर या अधिक समृद्ध इंडो-पैसिफिक बनाने में उनकी साझा रुचि है और वे व्यावहारिक आधार पर काम करने के इच्छुक हैं।

पंजाब में जमीन का खेल, मां-बेटे ने बेच डाली वर्ल्ड वार 2 के दौरान बनी हवाई पट्टी, अधिकारियों की भी मिलीभगत, 28 साल बाद एफआईआर

फिरोजपुर। पंजाब में सेना से जुड़ी जमीन को फर्जी दस्तावेज बनाकर बेचे जाने का मामला सामने आया है। घपला २८ साल पहले हुआ था। बार-बार इसकी शिकायत की गई, लेकिन कोई एक्शन नहीं हुई तो याचिकर्ता को हाई कोर्ट का रुख करना पड़ा।

शिकायतकर्ता का नाम निशान सिंह है, जो खुद भी रिटायर्ड रेवेन्यू अधिकारी हैं। अब तक की जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता निशान सिंह ने सबसे पहले २०२१ में यह मुद्दा उठाया था। यहां वहां फरियाद करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो हाई कोर्ट का रुख किया।

क्या है पंजाब में हवाई पट्टी की जमीन बेचने का पूरा मामला

हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। इसके मुताबिक, जमीन का सौदा १९९७ में किया गया। इसके लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

जमीन का यह टुकड़ा इसलिए बहुत खास है, क्योंकि इस पर जमीन वर्ल्ड वॉर-२ के समय हवाई पट्टी बनी थी, जिसे भारतीय वायुसेना ने १९६२, १९६५ और १९७१ की लड़ाइयों में इस्तेमाल किया था। यह जमीन फिरोजपुर जिले में पाकिस्तान की सीमा से सटे फत्तूवाला गांव में स्थित है। १९४५ में ब्रिटिश प्रशासन ने इसे अधिग्रहित किया था, लेकिन १९९७ में आरोपी उषा अंसल और उनके बेटे नवीन चंद ने खुद को जमीन का मालिक बताकर बेच दिया।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि पहले यह जमीन मदन मोहन लाल के नाम पर थी, जिनकी १९९१ में मौत हो चुकी थी। हालांकि फर्जी दस्तावेजों में जमीन की बिक्री १९९७ में दिखा दी गई।

इसके बाद २००९-१० की जमाबंदी में कई नए नाम जोड़ दिए गए, जबकि सैन्य विभाग ने कभी जमीन ट्रांसफर ही नहीं की थी। अब हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतराः हाई कोर्ट

मामले में २८ साल बाद एफआईआर दर्ज हुई है। जस्टिस हरजीत सिंह ब्रार ने जिला कलेक्टर को फटकार लगाई और कहा कि इस तरह की लापरवाही से राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है।

इंसानियत शर्मसार : मराठी नहीं आती तो खाओ थप्पड़! मुंबई में मनसे कार्यकर्ताओं की घिनौनी करतूत

मुंबई ,01 जुलाई (ए)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं का गुंडागर्दी का एक और मामला सामने आया है। मुंबई के मीरा रोड इलाके में मराठी भाषा न बोलने पर एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट के कर्मचारी के साथ मारपीट की गई है। पीड़ित कर्मचारी को कई थप्पड़ मारे गए और अपशब्द कहे गए। यह घटना सोमवार रात मीरा रोड स्थित बालाजी होटल में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ कार्यकर्ता होटल में गए और वहां काम करने वाले एक कर्मचारी से मराठी में बात करने को कहा। जब कर्मचारी ने अपनी असमर्थता जताई, तो कार्यकताओं ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में इसकी कड़ी निंदा हो रही है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना के विधायक सचिन अहीर ने कहा कि मराठी के मुद्दे पर मारपीट करना गलत है, लेकिन अगर कोई जानबूझकर मराठी बोलने से इनकार करता है तो वह भी अनुचित है। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी इस घटना को गलत बताया है। महाराष्ट्र सरकार के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने कहा कि राज्य में हर भाषा का सम्मान होना चाहिए और किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

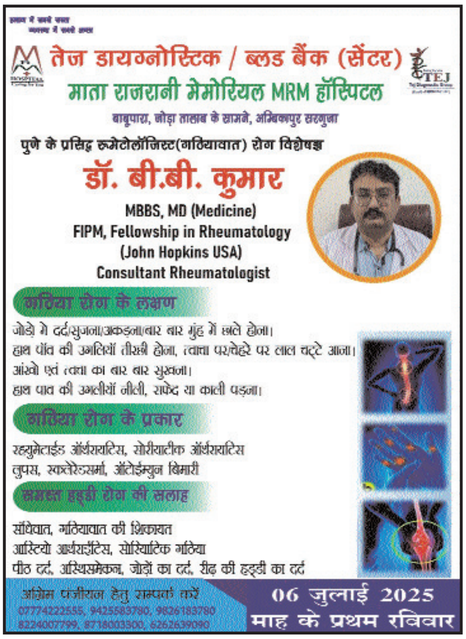

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए 02 से 04 जुलाई तक शिविर आयोजित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला परिवहन अधिकारी श्री यशवंत यादव ने बताया है कि जिले के २०१९ से पहले के पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर लगवाने हेतु फॉर्म भरने के लिए परिवहन विभाग द्वारा ०२ से ०४ जुलाई २०२५ को जिला परिवहन कार्यालय बलरामपुर, तहसील कार्यालय शंकरगढ़, तहसील कार्यालय रामानुजगंज, तहसील कार्यालय वाड्रफनगर एवं एस.आर. परिवहन सुविधा केन्द्र राजपुर में शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

पहला कालम

तेज रफ्तार एक्सयूवी कार अनियंत्रित होकर खेत में जा पलटी , सवार पांच लोग बाल बाल बचे

लखनपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे १३० स्थित जजगा मोड में ३० जून व १ जुलाई की दरमियानी रात लगभग १:३० तेज रफ्तार एक्सयूवी कार चालक को नींद की झपकी आने पर वाहन से नियंत्रण खो दिया और अनियंत्रित कार दो पलटी मारते हुए खेत में सीधी खड़ी हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से कार सवारों को बाहर निकाला गया। कार सवार सभी लोग सुरक्षित है। बिलासपुर से बिहार जाने के दौरान जजगा मोड़ के पास हादसा हुआ है। मंगलवार की सुबह लगभग ८:३० बजे ट्रैक्टर वाहन की मदद से कार को खेत से बाहर निकल गया।

जल्द हो सड़कों की जांच नही तो युवा कांग्रेस करेगी उग्र आंदोलन..

राजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बलरामपुर बृजेश यादव ने सड़क निर्माण कार्य मे भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है उनका कहना है की भाजपा सरकार के द्वारा पुरे जिले में जनमन प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत पहाड़ी कोरवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है वह सड़क विभागीय अधिकारीयों एवं ढेकेदारों के भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है, घटिया सड़क निर्माण के लिए युवा कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है २ माह पूर्व बलरामपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर जाँच की मांग की गई लेकिन आज तक जाँच नहीं कराया गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के डिवीजन ऑफिस राजपुर का युवा कांग्रेस के द्वारा घेराव कर प्रदर्शन किया गया था लेकिन शासन और प्रशासन के कानों तक जूँ तक नहीं रेंगा उसका नतीजा है की पुरे जिले में जनमन योजना के तहत बन रही सड़कें, पुल, पुलिया एवं रिटर्निंग वॉल बह जा रही है। जब से भाजपा की सरकार छतीसगढ़ में आई है चारों तरफ भ्रस्टाचार का बोल बाला है युवा कांग्रेस प्रशासन से मांग करती है की जिले भर निर्माणधीन सड़को की जाँच करा कर गुणवत्ता पूर्ण सड़को का निर्माण कराये अन्यथा युवा कांग्रेस प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के संभाग कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन करेगी।

अब बिना अनुमति नहीं लगेगा कर्मचारियों से अवकाश या ओवरटाइम में काम

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में अब कर्मचारियों की अवकाश और ओवरटाइम ड्यूटी को लेकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने नया आदेश जारी किया गया है। एक जुलाई को जारी इस आदेश के तहत अब कोई भी अधिकारी कर्मचारियों को छुट्टी के दिन या ओवरटाइम के तहत काम पर नहीं लगा सकेगा, जब तक उन्हें क्षेत्रीय महाप्रबंधक से पूर्व अनुमति न प्राप्त हो । आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अब से सभी अवकाश, ओवरटाइम ड्यूटी पर पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी। चाहे वह प्रस्ताव ई-ऑफिस के माध्यम से भेजा जाए या हार्ड कॉपी में, बिना महाप्रबंधक की मंजूरी के उसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह द्वारा जारी उक्त आदेश का मकसद यह है कि कर्मचारियों का शोषण रोका जा सके। साथ ही कर्मचारियों की संतुलित कार्य संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। पहले अकसर देखा गया था कि कर्मचारियों को बिना उचित अनुमति के छुट्टियों में या अतिरिक्त घंटे काम पर बुला लिया जाता था, जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता था। अब इस आदेश के बाद हर अतिरिक्त कार्य की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय होगी। जहां एक ओर कर्मचारियों ने इस कदम का स्वागत किया है, वहीं कई अधिकारियों में इस आदेश के बाद कार्य प्रबंधन को लेकर असमंजस और घबराहट देखी जा रही है, लेकिन अधिकतर कर्मचारी इसे व्यवस्थित प्रणाली की ओर एक सकारात्मक कदम मान रहे हैं।बिश्रामपुर क्षेत्र का यह आदेश अब काम के घंटे तय करने और कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में एक मजबूत पहल माना जा रहा है। इससे एक ओर जहां अव्यवस्था पर अंकुश लगेगा, वहीं दूसरी ओर संस्थान की छवि भी एक उत्तरदायी और कर्मचारी-हितैषी संगठन के रूप में मजबूत होगी।

माइनिंग स्टाफ की मांगों को लेकर एआईडीईओए ने सौंपा 4 सूत्रीय मांग पत्र

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कोल इंडिया लिमिटेड के अधीन कार्यरत माइनिंग स्टाफ की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर अब आवाज तेज हो रही है। ऑल इंडिया डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑफिशियल्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव आरके तिवारी ने २४ जून को कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद को एक चार सूत्रीय मांग पत्र सह धरना-प्रदर्शन पत्र सौंपा है। जिसमें कर्मचारियों की मूलभूत पदोन्नति, वेतन संरक्षण और संगठनात्मक भागीदारी जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि लंबे समय से प्रतिबंध का सामना कर रहे सेकंड क्लास सर्टिफिकेट धारक माइनिंग स्टाफ को अब सिनियर ऑफिसर पद पर विभागीय प्रमोशन का रास्ता खोला जाए, एआईडीईओए द्वारा प्रस्तावित नई कैडर स्कीम के तहत माइनिंग सरदार और ओवरमैन को पूरा सेवा काल में ९ ग्रेड तक पदोन्नति का अधिकार मिलना चाहिए। पूर्व की व्यवस्था के अनुसार सिनियर ऑफिसर के स्थान पर असिस्टेंट मैनेजर में प्रमोशन दिया जाए और विभागीय अनुपात को ६०:४० में बहाल किया जाए। साथ ही वेतन संरक्षण की बजाय बेसिक वेतन का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। एआईडीईओए को इकाई स्तर से लेकर कोल इंडिया मुख्यालय तक की सभी समितियों में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, ताकि माइनिंग स्टाफ की वास्तविक समस्याएं सही मंच पर पहुंच सकें। आरके तिवारी ने कोल इंडिया में कार्यरत सभी माइनिंग कर्मचारियों से आह्वान किया है कि २३ जुलाई को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि हर माइनिंग स्टाफ के सम्मान, अधिकार और सुरक्षित भविष्य के लिए है।

खदान के भीतर केबल चुराने घुसे युवक तीसरे दिन आए पकड़ में,पुलिस को सौंपा

भूख प्यास से हिम्मत जवाब देने लगी तब निकले खदान से बाहर

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर के कुमदा सात आठ भूमिगत खदान में केबल चोरी के उद्देश्य से खदान के भीतर घुसे तीन युवक तीन दिन बाद खदान से बाहर निकले जिन्हें हथियार बंद जवानों ने पकड़ बिश्रामपुर पुलिस को सौंप दिया है। बताया गया कि कुमदा सात आठ खदान से पिछले एक माह से पूरी तरह से कोयला उत्पादन बंद पड़ा है।यहां खदान के भीतर लगे केबल को काटने चोरी करने के उद्देश्य से कबाड़ चोर युवकों के गैंग के तीन युवक गत रविवार २९ जून मध्यरात्रि में खदान के भीतर घुस कर केबल काटने का प्रयास किया जा रहा था।बताया जाता है कि खदान के गार्ड ने कुछ युवकों को मध्यरात्रि में बेल्ट लाइन के मुंहाडे से खदान के भीतर घुसते देख लिया था लेकिन रात्रि में भय वस उसने चोरों को पकड़ने अथवा विरोध करने का साहस नहीं जुटा पाया लेकिन उसने अपने उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी तत्काल दे दी।क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी बिना देर किए त्रिपुरा बटालियन की टीम को लेकर मौके पर पहुंच गए और घेरा बन्दी कर चोरों को खदान के भीतर से बाहर आने के लिए बाहर निकलने ललकारने लगे।अपने को हथियार बंद जवानों से घिरा पा केबल चोर खदान से बाहर निकलने का साहस नहीं दिखा पाए और भीतर ही पड़े रहे,काफी समय बीत जाने के बाद चोर जब बाहर नहीं निकले तो सुरक्षा अधिकारी ने खदान के मुंहाडे पर ही हथियार बंद जवानों की ड्यूटी लगा दी।भूख प्यास से तड़प रहे चोरों का साहस आज तीसरे दिवस जवाब दे गया जिसके बाद वे मंगलवार दोपहर लगभग तीन बजे खदान से बाहर निकल रहे थे तभी त्रिपुरा बटालियन के हथियार बंद जवानों ने खदान के मुंहाडे में ही तीनों को दबोच लिया और आवश्यक पूछताछ के बाद बिश्रामपुर पुलिस को सौंप दिया है।पकड़ में आए केबल चोर युवकों की पहचान नंदकेश्वर पिता गुलाब राम रजवार निवासी दतिमा चौकी करंजी, शिवकुमार पैकरा पिता लालजी,टीकम पिता मुन्ना दोनों निवासी सोनपुर चौकी करंजी बताए गए हैं।जिन्हें आरंभिक पूछताछ के बाद बिश्रामपुर पुलिस को सौंप दिया गया है।

आज से बलरामपुर खदान में कामकाज ठप्प

बताया जाता है कि कुमदा सहक्षेत्र के दूसरी खदान बलरामपुर दस बारह नंबर खदान भी आज एक जुलाई से सीटीओ के आभाव में बन्द हो गई है यहां मंगलवार से कोयला उत्पादन का कार्य ठप्प हो गया है।अभी कुछ माह पहले भी यह खदान सीटीओ के आभाव में पांच छह माह बंद रही।सीटीओ के अल्प समय के लिए नवनीनकरण के बाद बलरामपुर खदान शुरू हुई थी लेकिन अब पुनः सीटीओ की तिथि समाप्त हो जाने से आज एक जुलाई से खदान से कोयला उत्पादन बंद हो गया है।

लगातार चोरी से बंद करना पड़ा खदान

बताया जाता है कि कुमदा सात आठ खदान लंबे समय से घाटे में संचालित हो रही है।यहां गत ३१ मई को अंतिम बार कोयला उत्पादन किया गया था।बताया गया कि रोजाना महज पचास टन कोयला यहां से उत्पादन हो रहा था ,उत्पादित कोयला में आधे से ज्यादा कोयला को चोर दिन दहाड़े चोरी कर रहे थे।कोयला चोरी की लगातार वारदात और कम उत्पादन घाटे के स्थिति देख क्षेत्रीय प्रबंधन ने यहां कोयला उत्पादन बंद कर यहां के कई कर्मियों का क्षेत्र के दूसरे खदानों में तबादला कर दिया था।सात आठ खदान में आज की स्थिति में महज १४४ अधिकारी कर्मचारी कार्यरत हैं।पिछले एक माह से खदान से कोयला उत्पादन ठप्प होने खदान बंद होने से केबल कबाड़ चोरों का हमला खदान में बढ़ गया है।बड़ी मात्रा में यहां से चोर पहले ही खदान सहित आसपास पड़े लोहा के समानों मशीनरी पार्ट्स को चोरी कर ले जा चुके है।खदान में कोयला उत्पादन के दौरान काम आने वाले महंगे केबल पर अब चोरों की नजर है जिससे खदान में बड़ी मशीन चलती हैं जो खदान के अलग अलग फेस तक बिछाया गया है इसी केबल को काटने के उद्देश्य से चोर खदान के भीतर घुसे थे तभी सुरक्षा कर्मियों की पुख्ता सूचना पर खदान से बाहर निकलने के दौरान चोर आज हथियार बंद जवानों के हत्थे चढ़ गए।

बारिश से झुके 11 हजार केवी के बिजली खंभे, कभी भी हो सकता है हादसा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
बरसात के मौसम ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से राहत दी है, वहीं कई जगहों पर खतरे की घंटी भी बजा दी है। विद्युत वितरण केंद्र बिश्रामपुर अंतर्गत डेडरी-सलका मार्ग किनारे खेत में स्थित ११ हजार केवी क्षमता के बिजली खंभे भारी बारिश के कारण झुक गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि ये खंभे कभी भी गिर सकते हैं, जिससे बड़ा हादसा और जान-माल का नुकसान होने की पूरी आशंका है। गौरतलब है कि डेडरी-सलका मार्ग किनारे खेत में ११ हजार केवी क्षमता के बिजली खंभे भारी बारिश के कारण बुरी तरह झुक गए हैं। यहां बताना लाजिमी होगा कि उक्त खेत व बाजू में स्थित

सड़क से रोजाना सैकड़ों लोग आवाजाही करते हैं। स्थानीय ग्रामीण, स्कूली बच्चे, बाइक सवार, छोटे व बड़े वाहन और पैदल चलने वाले सभी इस मार्ग पर निर्भर हैं। लेकिन अब इन झुके हुए खंभों के नीचे से गुजरना मानो मौत के साए तले गुजरने जैसा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण बिजली के खंभों की नींव ढीली हो गई है। मिट्टी धंसने से खंभे अपनी सीधी स्थिति में नहीं रह पाए और अब खंभे झुक चुके हैं। उनमें करंट भी प्रवाहित हो रहा है, जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त गंभीर समस्या को लेक विद्युत विभाग को जानकारी भी दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। ग्रामीणों में इस लापरवाही को लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्यवाही नहीं हुई, तो यह खंभे गिर सकते हैं और उनकी चपेट में आने वाला कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो सकता है या जान भी जा सकती है।डेडरी, सलका और आसपास के लोगों ने विद्युत विभाग से मांग किया है कि झुके हुए खंभों को तत्काल दुरुस्त किया जाए और क्षेत्र में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आशीष शील छत्तीसगढ़ यूथ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर दुबे के निर्देश एवं रेड क्रॉस के चेयरमैन आदितेश्वर शरण सिंह देव एवं प्रदेश सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह व इंटक प्रदेश महामंत्री रजनीश सेठ की अनुशंसा पर यूथ इंटक प्रदेश कार्यकारिणी के बैठक में सर्व सहमति से आशीष शील को छत्तीसगढ़ यूथ इंटक का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया ।तथा साथ ही रेहान अलि को यूथ इंटक प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया जिसके बाद आज पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव के हाथों प्रमाण पत्र प्रदान किया गया जिसमें भटगांव पूर्व विधायक पारस नाथ रजवाड़े ,प्रदेश सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह , विनय सिंह , एवं राजू सिंह तथा इंटक जिला अध्यक्ष अनुराग नामदेव , भानु प्रताप सिंह , सौरव विश्वकर्मा , आर्यन चौबे ,नितिन कुशवाहा ,इंद्रजीत रजवाड़े ,सरफराज अंसारी,रवि शुक्ला उपस्थित रहे ।

कृषकों को जनजातीय उपयोजनांतर्गत अरहर की उन्नत खेती के लिए दिया गया प्रशिक्षण

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञानं केंद्र, मैनपाटझसीतापुर द्वारा

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के कुशल नेतृत्व, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस. एस. टुटेजा के निदेर्शानुसार व कृषि विज्ञानं केंद्र मैनपाट के वरिष्ठ बैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा के मार्गदर्शन में सीतापुर व बतौली विकासखंड के कृषकों को अरहर की उन्नत खेती पर प्रशिक्षण सह आदान स्वरूप अरहर बीज का वितरण किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम के संयोजक श्री प्रदीप लकड़ा ने अरहर की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की देते हुऐ अरहर को लाइन से लगाने की सलाह दिए साथ ही प्राकृतिक खेती पर जोर दिये, जीवामृत तैयार कर अरहर फसल मे प्रयोग करने के लिए प्रेरित किये।केंद्र के अन्य वैज्ञानिक डॉ. एस. सी. पंकज ने अरहर ने दिए जाने वाले उर्वरक, अन्तर्शस्यन एवं दाल वाली फसलों का फसल चक्र के महत्व को बताया। डॉ. शमशेर आलम ने अरहर में लगने वाले कीट और रोगों के बारे में विस्तार से बताया और साथ ही साथ उनके प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दिए, इसके अलावा वे बीज उपचार के महत्व व विधि को भी प्रशिक्षु को बताए। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के अन्य कर्मचारी संतोष साहू, नितिन शाक्य, सर्वेश्वर और जेंडर तिर्की व कृषक उपस्थित रहे ।

शिक्षक साझा मंच ने की आन्दोलन रैली की रूप रेखा पर चर्चा

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रतापपुर विकास खण्ड में शिक्षक साझा मंच के बैनर तले ०१ जुलाई २०२५ को सांस्कृतिक भवन में विशाल कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रगान से शुभारंम किया गया। सर्व प्रथम इस आन्दोलन रैली की रूप रेखा के सम्बध में महावीर ठाकुर द्वारा विस्तार से चर्चा करते हुए शिक्षक संघ की प्रमुख मांग प्रथम सेवावधि की गणना, क्रमोन्नति, पदोन्नति एरियर्स का भुगतान एवं वर्तमान में हुये युक्तियुक्तिकरण में हुये अनेकानेक दोषों के विरूद्ध तथा २००८ के सेटअप के तहत स्थापना को प्रमुख मुददे के रूप में उजागर किया गया। इसके पश्चात प्रा०शा० पण्डोपारा बगडा के प्रधानपाठक कृपालनाथ तिवारी के द्वारा संगठन की वर्तमान एकता एवं आगामी दूरगामी परिणाम के सम्बध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर ब्लाक संचालक देवसाय सिंह

टेकाम, राजकुमार सिह चंद्रिका सिह, देवचन्द पण्डो ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये समस्त मुददो पर विस्तार पूर्वक जानकारी दिये । कार्यक्रम को संबोधित करते हुये नागेन्द्र सिंह के द्वारा जानकारी दी गई कि यदि प्रथम सँवा की गणना नही की जाती है तो भविष्य में होन वाले आठवां वेतनमान का लाभ भी अत्यल्प ही मिल पाएगा। इस अवसर पर जिला संचालन मण्डल से गोपाल विश्वकर्मा ने अनेक तकनीकि जानकारी पर प्रकाश डाला। प्रान्तीय संचालक श्री रंजय कुमार सिंह ने भी अपने उदबोधन में कहा कि युक्तियुक्तकरण के तहत अनेक विद्यालय एवं शिक्षक प्रभावित हुयें है जिससे सूदूर क्षेत्रों के बच्चों के लिये भी काफी अहितकर साबित हुआ है बैठक को महिला मण्डल के ब्लाक संचालिका श्रीमती प्रतिमा सिंह ने महिलाओ से आहवान करते हुये कहा हमारी बहनों ने इस अवसर पर जो बढ-चढ़कर हिस्सा लिया उसके लिये धन्यवाद देते हुये समस्त बिन्दुओं पर चर्चा किया गया। संगठन की एकता शासन पर दबाव बनाने की प्रक्रिया युक्तिकरण में हुए दोष एवं आगामी समयावधि में होने वाली रणनीति पर समग्र प्रकाश डाला गया। अन्त में सामुदायिक भवन से अनुविभागीय कार्यालय तक सर्व प्रथम दो पंक्ति में मोटर साईकिल रैली निकालकर नारा लगाते हुए भोला भवन तक, इसके पश्चात पैदल एस०डी०एम० कार्यालय तक जाकर उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी को मुख्यमंत्री, संचिव एवं लोक शिक्षण संचालक के नाम ज्ञापन सौपा गया । इस अवसर पर संविलियम के सप्तम वर्षगांठ पर सामूहिक केक काटकर हर्षोल्लास के साथ सबका मुंह मीठा किया गया एवं सबन खुशी जाहिर की। इसका आयोजन विशेष रूप से श्रीमती प्रतिमा सिह के द्वारा किया गया था। इस अवसर मैं रैली को सफल बनाने में ५५ संकुलो के शिक्षकगण सम्मिलित रहे।

अत्याधुनिक तकनीक की मदद से वर्ष 2030 तक भूमिगत खदानों से 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य

बैकुण्ठपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल दौरे के दूसरे दिन भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चन्द्र दुबे मंगलवार १ जुलाई २०२५ को अपने दो दिवसीय एसईसीएल प्रवास के दूसरे दिन बैकुंठपुर क्षेत्र पहुँचे।
दौरे के दौरान राज्य मंत्री द्वारा वीसी के माध्यम से एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र की एनसीपीएच माईन में नए कंटीन्यूअस माईनर का शुभारंभ किया गया और हरी झंडी दिखाकर मशीन को रवाना किया गया।
इस अवसर पर उन्होने कहा कि कोयला मंत्रालय नई एवं अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से भूमिगत खदानों से उत्पादन बढ़ाने

की दिशा में काम कर रहा है। वर्ष २०३० तक भूमिगत खदानों से १०० मिलियन टन उत्पादन करने का हमारा लक्ष्य है। इसके लिए हम ज्यादा से ज्यादा खदानों में कंटीन्यूअस माईनर जैसी तकनीक के इस्तेमाल को बल दे रहे हैं। एसईसीएल में आज इस नए लो हाइट कंटीन्यूअस माईनर के शुरू होने निश्चित रूप से कंपनी के भूमिगत उत्पादन को मजबूती मिलेगी।
श्री दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में देश में हर घर में बिजली पहुँची है और इसमें आप सभी कोयला खनिकों का महत्वपूर्ण योगदान है. आज कोयला उद्योग में महिलाऐं भी पुरुषों के साथ कंधे-से कन्धा मिलकर काम कर रहें हैं और अपनी नई पहचान बना रही हैं।
दौरे की शुरूआत में मंत्री श्री दुबे ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत चरचा खदान परिसर में वृक्षारोपण किया।
इसके पश्चात उन्होंने चरचा माइन्स में पंखाघर का उद्घाटन किया। यह नया पंखाघर खदान के एलवीसी यानी लास्ट वेंटिलेशन कनेक्शन तक स्वच्छ वायु के प्रवाह को सुनिश्चित करेगा जिससे श्रमिकों को बेहतर कार्य परिस्थितियाँ मिलेंगी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और अहम पहल करते हुए मंत्री श्री दुबे ने खदान में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए बायो-टॉयलेट का उद्घाटन किया। इसके उपरांत एक समारोह में माननीय मंत्रीजी द्वारा क्षेत्र के उत्कृष्ट कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मियों एवं ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया गया, जिससे कर्मियों का उत्साहवर्धन हुआ। इस अवसर पर एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन, निदेशक (तकनीकी झ संचालन सह योजना/परियोजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (एचआर) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार, सीवीओ हिमांशु जैन, बैकुंठपुर क्षेत्रीय महाप्रबंधक बीएन झा, माननीय बैकुंठपुर विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े, जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी (आईएएस), जिला एसपी रवि कुमार कुर्रे, भापुसे एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

युक्तियुक्तकरण से संवर रही शिक्षा व्यवस्थाः जशपुर के स्कूलों में लौटी रौनक, बच्चों में बढ़ा उत्साह

जशपुर। जिले के स्कूलों में अब पढ़ाई की गूंज सुनाई देने लगी है। कभी शिक्षकविहीन और एकल शिक्षक के भरोसे चल रहे विद्यालयों में युक्तियुक्तकरण के बाद स्थायी शिक्षकों की तैनाती से शिक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिल रहा है। जिले के मनोरा विकासखंड स्थित प्राथमिक शाला गीधा में जब नए शिक्षकों की पदस्थापना हुई, तो विद्यालय की तस्वीर ही बदल गई। अब बच्चे पूरे उत्साह से स्कूल पहुँच रहे हैं, नियमित पढ़ाई कर रहे हैं और विभिन्न गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। जिले में युक्तियुक्तकरण से पहले 15 शिक्षकविहीन स्कूल थे, जिनमें 14 प्राथमिक और एक हाईस्कूल शामिल था। अब इन सभी स्कूलों में शिक्षक पदस्थ कर दिए गए हैं। प्राथमिक शालाओं में 28 और हाईस्कूल में 6 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा जिले की 262 एकल शिक्षक वाले प्राथमिक विद्यालयों में भी अतिरिक्त शिक्षकों की तैनाती करते हुए इनकी संख्या शून्य कर दी गई है।
मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदृष्टि और संकल्प के अनुरूप यह पूरी प्रक्रिया राज्य के शिक्षा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर बनकर उभरी है। उनका कहना है कि युक्तियुक्तकरण का मुख्य उद्देश्य शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में समानता लाना है। जहां जरूरत अधिक है, वहां अधिक संसाधन और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। छात्र संख्या के अनुसार शिक्षकों का समायोजन कर ऐसे स्कूलों को नजदीकी सुविधायुक्त विद्यालयों से जोड़ा गया है, जहां संसाधनों की उपलब्धता अधिक है। इससे बच्चों को एक बेहतर शैक्षणिक माहौल और सभी विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त शिक्षकों से सीखने का अवसर मिल रहा है। गौरतलब है कि यह पूरी कवायद राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुरूप की गई है, जिससे विशेषकर दूरस्थ, आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता को नए स्तर पर ले जाया जा सके।
प्राथमिक शाला गीधा की तरह जिले के अन्य विद्यालयों में भी युक्तियुक्तकरण का असर साफ नजर आ रहा है। शिक्षकों की नियमित उपस्थिति और विषय आधारित पढ़ाई के चलते अब न सिर्फ बच्चों की उपस्थिति बढ़ रही है, बल्कि अभिभावकों का भरोसा भी सरकारी स्कूलों पर दोबारा लौटने लगा है। यह पहल न केवल वर्तमान पीढ़ी को बेहतर शिक्षा देने की दिशा में ठोस कदम है, बल्कि छत्तीसगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

कबीरधाम जिले के खिलाडियों ने 21वीं सीनियर राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में जीते 14 पदक

00 उपमुख्यमंत्री शर्मा ने दी शुभकामनाएं, खिलाडियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

रायपुर। 21वीं सीनियर राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कबीरधाम जिले के खिलाडि?ों ने कुल 14 पदक अर्जित किए हैं। इनमें 02 स्वर्ण, 04 रजत एवं 08 कांस्य पदक शामिल हैं। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर कबीरधाम जिले के विजेता खिलाडि?ों ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा से सौजन्य मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी खिलाडि?ों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कबीरधाम जिले की यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव की बात है, बल्कि इससे प्रदेश का भी मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल और खिलाडि?ों को प्रोत्साहन देने के लिए संकल्पित है और भविष्य में भी सभी आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण व सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी ताकि राज्य के युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।
उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि इन खिलाडि?ों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन की भावना अनुकरणीय है। हमें गर्व है कि कबीरधाम जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने खिलाडि?ों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि वे इसी तरह मेहनत करते रहे, तो आने वाले वर्षों में वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कबीरधाम और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। खिलाडि?ों ने भी उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के सहयोग व प्रोत्साहन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही जिले में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है। कोच श्री सुनील सरोज ने बताया कि कबीरधाम जिले में एथलेटिक्स के क्षेत्र में लगातार प्रतिभाएं उभर रही हैं, आवश्यकता है उन्हें उचित मंच, संसाधन और मार्गदर्शन की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के सहयोग और प्रेरणा के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सफलता से अन्य युवा भी खेलों की ओर आकर्षित होंगे।
कबीरधाम जिले के खिलाडि?ों ने 21वीं सीनियर राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। विभिन्न प्रतिस्पधाओं में भाग लेकर उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के 400 मीटर दौड़ में मनीषा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं नेहा ने दूसरा स्थान प्राप्त कर जिले की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। 5000 मीटर दौड़ में निशि ने दमदार दौड़ लगाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि 3000 मीटर दौड़ में लाला सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 4 इनटू 100 मीटर दौड़ में पप्पु, पंकज, सनत और दिनेश की टीम ने शानदार तालमेल दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। इसी तरह निखिल और नीलम की जोड़ी ने भी उम्दा प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। वेक चेस्ट प्रतिस्पर्धा में चंद्रभान ने तीसरा स्थान, भाला फेंक में विशाल ने दूसरा स्थान, डीएसीए स्पर्धा में पारस ने प्रथम स्थान, और नेमीष ने तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले के लिए एक बार फिर गौरव का क्षण निर्मित किया। इन सभी खिलाडि?ों की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत और समर्पण का परिणाम है, बल्कि जिले में खेल प्रतिभाओं के विकास और प्रशिक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों को भी दशार्ता है।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कोयला उद्योग की भूमिका अहम-केंद्रीय मंत्री दुबे

रायपुर। सरकार के माननीय केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री श्री सतीश चन्द्र दुबे ने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सोमवार को एसईसीएल के दीपका मेगाप्रोजेक्ट का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कोयला उद्योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोल सेक्टर ने अभूतपूर्व प्रगति की है। कभी जहां देश में कोयले की कमी की चर्चा होती थी, आज वहां बिजली संयंत्रों के पास पर्या?त कोयला भंडार है और ऊर्जा उत्पादन निर्बाध चल रहा है। कोयला उत्पादन के साथ-साथ हरित खनन और पर्यावरण-संवेदनशीलता पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। कोल इंडिया क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भी सक्रियता से कार्य कर रहा है। देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में एसईसीएल की भूमिका अत्यंत सराहनीय है, जो ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी है। एसईसीएल की धड़कन जैसी मानवीय पहल इसका प्रमाण है। रायपुर पहुंचने पर मंत्री दुबे ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर राज्य में कोयला परियोजनाओं के विस्तार के लिए भू-अधिग्रहण एवं विस्थापन प्रक्रियाओं को तीव्र गति देने हेतु आवश्यक सहयोग पर चर्चा की। एसईसीएल दीपका क्षेत्र पहुँचने पर कोयला मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के अंतर्गत प्रगति हाउस में वृक्षारोपण किया। इसके पश्चात दीपका क्षेत्र में प्रस्तावित प्रवेश द्वार एवं सिक्योरिटी कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास भी उनके करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। दीपका व्यू पॉइंट पर पहुंचकर श्री दुबे ने खदान के उत्पादन, उत्पादकता और कार्यसंचालन की समीक्षा की तथा अधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। दीपका मेगाप्रोजेक्ट के संबंध में एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मंत्री को परियोजना की प्रगति, उत्पादन क्षमता एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी गई।

दंतेवाड़ा की तीन बेटियों ने राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण व एक रजत पदक अपने नाम किया

दंतेवाड़ा। नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले की तीन बेटियां नुपुर ठाकुर, छाया नाग, और नेहल ठाकुर ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद तेलंगाना के खैराताबाद में आयोजित 11वीं राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया।
तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 8 राज्यों से आए 150 खिलाडि?ों ने भाग लिया था, लेकिन छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे 14 खिलाडि?ों ने बाजी मारते हुए कई पदक अपने नाम किए। खास बात यह रही कि दंतेवाड़ा की बेटियों का प्रदर्शन सबसे अधिक चमकदार रहा। नुपुर ठाकुर और छाया नाग ने जहां स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया, वहीं नेहल ठाकुर ने रजत पदक के साथ थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपनी क्षमता का लोहा मनवाया। विदित हो कि नुपुर इससे पहले भी गोवा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।
दंतेवाड़ा जैसे आदिवासी और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खेल संसाधनों की भारी कमी है, वहीं दूसरी ओर इन बेटियों ने सीमित साधनों के बावजूद अथक मेहनत, अनुशासन और जुनून से यह मुकाम हासिल किया है। उनके कोच अनीस मेमन और संघ की सचिव टिकेश्वरी साहू ने प्रशिक्षण और रणनीति से खिलाडि?ों को सही दिशा में तैयार किया, जिसका असर पदकों के रूप में सामने आया है। चाचा दिनेश ठाकुर एवं चाची तरुणलता पिंकी ठाकुर ने दोनों बहनों को बधाई दी है, और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिवार का यह समर्थन और प्यार दोनों बहनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, और उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मोर गांव मोर पानी से मुंगेली बना जल संरक्षण की मिसाल

मुंगेली। कभी जल संकट से जूझते गांवों के लिए अब मुंगेली जिला एक प्रेरणा बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले में मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण व प्रबंधन के लिए जो पहल शुरू की गई, वह आज एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। ग्रामीणों की भागीदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समर्पित क्रियान्वयन ने इस अभियान को एक स्थायी विकास मॉडल बना दिया है।

डिफंक्ट बोरवेल को मिला नया जीवन

जल प्रबंधन के तहत जिले में 265 अनुपयोगी बोरवेल की पहचान की गई, जिनमें से 203 कार्यों को स्वीकृति मिली और 45 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। 26 जून को ही 11 कार्य पूर्ण कर लिए गए, जो अभियान की गति और गंभीरता को दशार्ता है। मुंगेली ब्लॉक सबसे आगे रहा, जहां 110 बोरवेल चिन्हांकित किए गए और इनमें से 32 का कार्य पूर्ण हो चुका है।
भूजल स्तर सुधारने के लिए अब तक जिले में 276 रिचार्ज पिट चिन्हांकित किए गए। इनमें से 129 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। सबसे अधिक रिचार्ज पिट लोरमी ब्लॉक में बने हैं, जहां 132 पिट चिन्हांकित किए गए हैं। यह कार्य आने वाले वर्षों में भूजल संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

सामूहिक श्रमदान से हो रहे बोरी बांध निर्माण

बोरी बांध निर्माण में जनभागीदारी की मिसाल कायम की गई है। जिले में 160 बांधों का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 146 पहले ही पूर्ण हो चुके हैं और 14 कार्य प्रगति पर हैं। यह कार्य ग्रामीणों के श्रमदान से संपन्न हुए हैं, जो सामूहिक चेतना की शक्ति को दशार्ता है।

जन सहयोग से बना जन आंदोलन - पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों और आम ग्रामीणों ने न केवल इस कार्य में श्रमदान किया, बल्कि योजना, निर्माण और निगरानी में भी भागीदारी निभाई। यह अभियान अब सिर्फ सरकारी योजना नहीं, बल्कि गांवों का अपना अभियान बन चुका है। बनी हुई संरचनाओं से खेतों की सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे फसल उत्पादकता में सुधार होगा। साथ ही मछली पालन, सब्जी उत्पादन और वर्मी कंपोस्ट जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक मजबूती और सतत आजीविका के अवसर मिलेंगे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 202506021700039 /ब-121/2024-25

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नान साय आ० सोहन साय, जाति कोरवा, निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 518 रकबा 0.6240 हे० में से रकबा 0.0405 हे० भूमि अपने पुत्र के विवाह हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक महेश कुमार आ० बाल मुकुन्द सिंह, जाति कंवर, निवासी ग्राम सौनी, तहसील बलरामपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) को रू० 2,00,000/- (दो लाख रुपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी (रा०) महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/07/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 24/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 202506021700051 /अ-24/2024-25

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखउ राम आ० खीरू राम, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम अजिरमा में भूमि खसरा नंबर 613/1 रकबा 1.380 हे० स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदक अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 613/1 रकबा 1.380 हे० में से रकबा 0.032 हे० भूमि को छ०ग० शासन को त्यजन करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम 1) की प्रति संलग्न किया गया है।
उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/07/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 30/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202503020700040/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ- 27 सन:- 2024-2025
लब्जी (प.ह.नं.00027),
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार इन्द्रवती, प्रेमलता, रविन्द्र प्रसाद राजवाड़े माता फुलकुंवर, मु हिरोदिया, लक्ष्मण, सुरेन्द्र प्रसाद राजवाड़े माता फुलकुंवर, राम रतन राजवाड़े, ज्ञान साय, रुग मेन बाई राजवाड़े, कोमल, कमलेश कुमार माता फुलकुंवर, पवन राम राजवाड़े, रामबरन,
अनावेदक पक्षकार-कमलेश कुमार माता फुलकुंवर, लक्ष्मण, राम रतन राजवाड़े, ज्ञान साय, रुगमेन बाई राजवाड़े, कोमल, पवन राम राजवाड़े, रामबरन, इन्द्रवती, प्रेमलता, रविन्द्र प्रसाद राजवाड़े माता फुलकुंवर, मु हिरोदिया, सुरेन्द्र प्रसाद राजवाड़े माता फुलकुंवर,

ईश्तहार

आवेदक रविन्द्र प्रसाद राजवाड़े आ० स्व० रामसाय राजवाड़े व अन्य, निवासी ग्राम भिट्ठीकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम लब्जी स्थित कुल खसरा नंबर 17 कुल रकबा 3.801 हे० भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/3 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/06/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

स्टेडियम और टाउन-हॉल के अपूर्ण कार्यों को पूरा करने नौ करोड़ से अधिक स्वीकृत

00 नगरीय प्रशासन विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के अधोसंरचना मद से मंजूर की राशि

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बलरामपुर नगर पालिका में अधूरे स्टेडियम और टाउन-हाल के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने कुल नौ करोड़ दो लाख 18 हजार रुपए मंजूर किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अधोसंरचना मद से दोनों कार्यों के लिए ये राशि स्वीकृत की गई है।
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बलरामपुर नगर पालिका में निर्माणाधीन स्टेडियम के शेष कार्यों को पूरा करने पांच करोड़ 51 लाख 20 हजार रुपए मंजूर किए हैं। विभाग ने बलरामपुर नगर पालिका में वार्ड क्रमांक-1 में प्रगतिरत टाउन-हॉल के शेष कार्यों को पूर्ण करने तीन करोड़ 50 लाख 98 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदंड सुनिश्चित करते हुए दोनों कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट ने प्राचार्य प्रमोशन लिस्ट पर लगी रोक हटाई, राज्य सरकार अब कर सकेगा प्राचार्य पद पर पोस्टिंग

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस ए. के. प्रसाद की डिवीजन बेंच ने प्राचार्य प्रमोशन लिस्ट पर लगी रोक को हटाते हुए राज्य सरकार की प्रमोशन नीति को सही माना और इस मामले में दायर सभी याचिकाओ को खारिज कर दिया है। अब राज्य सरकार प्राचार्य पद पर पोस्टिंग के आदेश जारी कर सकेगी। इससे प्रदेश के करीब 3500 स्कूलों में प्राचार्य की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।
बताया जाता है कि प्राचार्य पदोन्नति फोरम और कुछ अन्य शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी कि पहले से चल रहे कोर्ट के आदेशों के बावजूद कुछ शिक्षकों को प्रमोशन देकर ज्वाइन करा दिया गया, जो न्यायालय की अवमानना है। इस पर कोर्ट ने एक मई को प्रमोशन पर रोक लगाते हुए सभी नई नियुक्तियों को अमान्य करार दे दिया था। मामला काफी दिनों तक कोर्ट में चला। 11 जून से 16 जून तक लगातार सुनवाई हुई, जिसमें याचिकाकताओं की ओर से दलील दी गई कि प्राचार्य पद के लिए बीएड डिग्री अनिवार्य होनी चाहिए और माध्यमिक स्कूलों के प्रधान पाठकों की वरिष्ठता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की प्रमोशन नीति को सही बताया और कहा कि इसमें सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। कोर्ट ने प्रमोशन लिस्ट पर लगी रोक हटाते हुए सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। अब सरकार को छूट मिल गई है कि वह 30 अप्रैल को जारी प्रमोशन लिस्ट के आधार पर जल्द से जल्द पोस्टिंग के आदेश जारी करे।

अम्बिकावाणी
बैकुण्ठपुर बुधवार 2 जुलाई, 2025

अगर आप सदा स्वयं की दूसरों के साथ तुलना करते रहते हैं तो आप अवश्य ही अहंकार अथवा ईर्ष्या के शिकार हो जायेंगे। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं

चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं है। इससे मतदाताओं या समूहों की पहचान करना आसान हो जाएगा। मत देने या मत न देने वाला, दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव या धमकी का शिकार हो सकते हैं। यह मतदाताओं की सुरक्षा, गोपनीयता व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950-51 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों व सुप्रीम कोर्ट के निदेशों का उल्लंघन होगा।

लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिए जवाब में आयोग ने यह कहा जिसमें चुनाव धांधली के आरोपों के बाद सीसीटीवी फुटेज की मांग की गई थी। इससे पहले गांधी ने सोशल माडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वोटर लिस्ट? मशीन रीडेबल फाम्रेट नहीं देंगे, सीसीटीवी फुटेज? कानून बदल कर छिपा दी।

आगे उन्होंने लिखा-साफ दिख रहा है-मैच फिक्स है और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है। दरअसल, आयोग के अनुसार, चुनाव के दौरान ली गई तस्वीरें, वीडियो व बेवकास्टिंग सिर्फ पैंतालीस दिन तक सुरक्षित रखी जाएंगी।

किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजों को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो पैंतालीस दिन बाद यह डाटा नष्ट कर दिया जाएगा। कांग्रेस इसका शुरू से ही दोहरा रही है कि यह डाटा साल भर तक सुरक्षित रखा जाता था। कांग्रेस इसे चुनाव आयोग व मोदी सरकार की मिली-भगत ठहराते हुए लोक तांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की साजिश बता रही है। बेशक, आयोग के तर्क अपनी जगह उचित हैं मगर उसे सरकार के दबाव में आए बगैर अपनी स्वायत्तता का ख्याल रखना चाहिए।

विपक्षी दलों की दलीलें सुनना उसका जिम्मा है। आशंकाओं व चिंताओं को मिटाने के प्रति उसे जवाबदेह भी होना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न केवल विपक्षी राजनीतिक दल, बल्कि स्वयं मतदाता भी अपनी जिज्ञासाएं रखने को स्वतंत्र है। मतदाताओं की सुरक्षा व गोपनीयता निश्चित रूप से बेहद जरूरी हैं। मगर अपने उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष या धांधली के आरोपों की पुष्टि कराना भी दलों का जिम्मा है। अव्वल तो गांधी को बगैर सबूतों के इतने गंभीर आरोप लगाने से बचना चाहिए परंतु आयोग को भी उनकी आशंकाएं मिटाने का भरपूर प्रयास करना होगा।

पैंतालीस दिन किसी भी आशंका या आरोप के लिए कम नहीं कहे जा सकते। आयोग को वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुला कर अति सुरक्षित व गोपनीय व्यवस्था में विवादित फुटेज दिखाने का प्रावधान भी जोड़ना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अति आवश्यक है।

बनी होप कैच अवैध करार

मनोज चतुर्वेदी

पिछले साल टी-20 विश्व कप के फाइनल में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने डेविड मिलर का कैच पकड़कर पांसा पलट दिया था। इस कैच को यादगार कैचों में शुमार किया जाता है। पर रोमांच पैदा करने वाले इस तरह के कैच अब देखने को नहीं मिलेंगे। बनी होप कहलाने वाले इन कैचों को आईसीसी के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने अवैध करार दे दिया है। इस तरह के कैचों के लिए अब नया नियम बना दिया है।

एमसीसी द्वारा बनाए नए नियम के हिसाब से कोई खिलाड़ी बाउंड्री लाइन पर मौजूद फील्डर यदि कैच पकड? के लिए उछलता है और वह गेंद पकढ़ते समय समझता है कि वह सीमा रेखा के बाहर जा रहा है तो वह गेंद को उछालकर सीमा रेखा के अंदर पकड़कर ही कैच पूरा कर सकता है। अगर वह गेंद सीमा रेखा के बाहर उछालकर और फिर बाहर जाकर हवा में रहते हुए, फिर से गेंद को अंदर उछालकर पड़ता है तो इस कैच को मान्य नहीं माना जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ी ने बाउंड्री लाइन से बाहर जाकर हवा में रखकर गेंद उछाली तो खुद उसे ही मैदान में अंदर आकर पकड़ना होगा। अगर कोई दूसरा फील्डर इस मैच को पकड़ता है तो इसे अमान्य कर दिया जाएगा। क्रिकेट नियमों बदलाव एक अनवरत प्रक्रिया है।

खेल को और रुचिकर बनाने के उद्देश्य से नियमों में बदलाव हमेशा ही होते रहे हैं। इन नियमों में बदलाव का उद्देश्य एक तो बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों में संतुलन बनाए रखना होता है। पिछले कुछ सालों में बनी होप कैचों ने क्रिकेट में नया रोमांच तो पैदा किया है। पर कई बार दर्शकों को लगता है कि यह बल्लेबाजों के प्रति अन्याय है और जिस शॉट पर उसे छक्का मिलना चाहिए था, उस पर उसे आउट दे दिया गया। 2023 की बिग बैश लीग में माइकल नेसर द्वारा पकड़े एक कैच पर सवाल उठे।

इसी तरह बिग बैश लीग में ही 2020 में मैथ्यूवेड के कैच को लेकर भी सवाल उठे तो इस पर आईसीसी ने कैच के इस नियम की एमसीसी से समीक्षा करने को कहा था। एमसीसी ने समीक्षा के दौरान पाया कि यदि गेंद को उछालने वाला ही मैदान में अंदर आकर कैच पकड़े तब ही कैच मान्य होगा। मैथ्यू वेड के कैच मामले में मैट रैनशॉ बाहर से अंदर गेंद उछालने के बाद खुद बाहर ही गिर गए थे। अब नये नियम में सिर्फ एक बार ही गेंद को हवा में उछाला जा सकेगा। यह नियम श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से गॉल में खेले जाने वाले टेस्ट से लागू होगा। असल में इस टेस्ट से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकिल शुरू हो रही है।

एमसीसी अधिकृत तौर पर इस नियम को अक्टूबर 2026 से लागू करेगा। आईसीसी क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए नियमों में बदलाव करता रहता है। इस सोच का ही नतीजा है कि टेस्ट मैचों से शुरूआत के बाद यह वनडे और टी-20 प्रारूप तक आ पहुंचा है। साथ ही आईसीसी की क्रिकेट समिति भी समय-समय पर हालात के हिसाब से नियमों में बदलाव करती रहती है। जिस तरह कोविड के समय में लार के माध्यम से वह फैल सकता था, तो गेंद की चमक बनाए रखने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके लिए गेंदबाजों ने पसीने का इस्तेमाल करना शुरू किया, लेकिन लार के इस्तेमाल पर रोक से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग में दिक्कत आने लगी, क्योंकि वह गेंद की एक साइड को चमका नहीं पा रहे थे।

पर आईपीएल के इस सत्र में लार के इस्तेमाल की छूट दे दी गई। हम सभी जानते हैं कि क्रिकेटप्रेमियों को स्टेडियम तक खींचकर लाने में बल्लेबाजों के विस्फोटक अंदाज की सबसे अहम भूमिका होती है। ऐसा नहीं है कि क्रिकेटप्रेमी अच्छी गेंदबाजी को पसंद नहीं करते हैं। पर उन्हें मजा चौके-छक्के देखने में ही आता है। इस कारण ज्यादातर नियम बल्लेबाजों के पक्ष वाले ही होते हैं, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोगों के मैच देखने का आईसीसी की कमाई से सीधा संबंध होता है। पर आईसीसी इस बात का ख्याल भी रखता है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन बना रहे।

इसी को ध्यान में रखकर वनडे मैचों में दो गेंदों के इस्तेमाल की शुरूआत हुई, क्योंकि पहले गेंद पुरानी होते ही बल्लेबाज हावी हो जाया करते थे। पर एमसीसी ने दो गेंदों के नियम में भी थोड़ा बदलाव किया है। अभी तक 50 ओवर के मैच में एक गेंद से 25 ओवर फेंके जाते थे। पर नए नियम के मुताबिक वनडे मैचों में 34 ओवर तक दो गेंदों से गेंदबाजी होगी और बाकी 16 ओवरों के लिए फील्डिंग टीम इन दो गेंदों में से किसी एक गेंद का इस्तेमाल कर सकेगी। आईसीसी ने कुछ सालों पहले खेल रहे किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह खिलाड़ी देने के लिए कन्कशन नियम बनाया था। इसमें खिलाड़ी के चोटिल होने पर ही बताया जाता था कि उसकी जगह किसे खिलाएंगे, लेकिन अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले मैच रेफरी को कन्कशन के लिए पांच खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। इसमें एक बल्लेबाज, एक कीपर, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर का नाम शामिल करना होगा।

उत्तर भारत में पहाड़ों पर वारिस से तबाही और भूस्खलन से लोगों की परेशानियां बढ़ी

अजय दीक्षित

उत्तर भारत में विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से तबाही का मंजर देखने को मिलता है और यह प्रतिवर्ष होता है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश सड़क, भवन, रास्तों, को भारी नुक्सान होता है। जुलाई, अगस्त, सितंबर, में उत्तरकाशी, गढ़वाल, टिहरी, रानीखेत, अल्मोड़ा, मंडी, बिलासपुर, शिमला, नैनीताल, देहरादून आदि जिलों में भीषण तबाही होती है।

यह सिलसिला विगत तीस साल से बढ़ा है क्योंकि इन क्षेत्रों में तीस लाख पेड़ विकास के नाम पर दस साल में काटे गए हैं। बेहतासा बढ़ते पर्यटन को देखते हुए इन क्षेत्रों में सरकारों ने सड़कों का निर्माण किया है और व्यवसायियों ने होटलों का निर्माण किया है। अकेले शिमला, नैनीताल में २०० होटल है जिनसे पहाड़ों पर वजन बढ़ा है और वारिस के दिनों लैंड स्लाइड्स का खतरा भी हजारों प्रतिशत बड़ा है। भवनों, बाजारों में अतिक्रमण हो गया है जो पूरे भारत की लाइलाज बीमारी है।

पर्वतीय क्षेत्र शोध संस्थान देहरादून के जलवायू शोध कर्ता

एस जयशंकर कहते हैं कि पहाड़ों पर हरित क्षेत्रों के चलते यहां नमी अधिक रहती है इसके अलावा तापक्रम भी कम रहता है इस कारण वारिस बहुत और तेज होती है । कुमायूं और गढ़वाल दोनों स्थानों पर औसत बारिश 2000 मिली मीटर के आसपास है। वारिस के दिनों पानी 3000 मीटर की ऊंचाई से आता है और उसकी ग्रैविटी अधिक होती है जो भूस्लखन का कारण बनती है। पहाड़ कच्चे है जियोलॉजी की भाषा में डिसेंट्रीग्रेटेड रॉक है। भवनों, सुरंगों, सड़कों के निर्माण के कारण पहाड़ पोली या दरक गए हैं और पानी के तेज बहाव से गिर जाते हैं। कभी कभी पानी भारी सिल्ट लेकर बहते हैं जैसा पिछली बार ब्यास नदी ने मनाली में तबाही मचाई थी।

सरकारों की पर्यटन को पर्यावरण से समन्वय बिठाना चाहिए

पहाड़ों के दूर दराज के गांव में लैंड स्लाइड्स नहीं होते हैं क्योंकि वे सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर भवन पगडंडी, पुल बनाते हैं जिसमें अधिकतर लकड़ी के हल्के होते हैं। लेकिन पूरे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में हालत इतने खराब नहीं जितने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में हैं उसका कारण है कि घाटी में पचास साल से तो विकास नहीं हुआ क्योंकि वहां पर आतंकवाद था पर्यटकों का आना जाना नहीं था। तो विकास भी नहीं हुआ। कश्मीर घाटी में अगर श्री नगर को छोड़ दें तो वहां सभी मकान लकड़ी के है।

पूरा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश भूकंप की जद में है। क्योंकि इन क्षेत्रों की टाइटेनिक प्लेट का खिसकने का खतरा बढ़ गया है। अगर कभी भूकंप 8 रैकेटियर स्केल पर आ गया तो तबाही मचा देगा। बांधो के निर्माण से भी खतरा बढ़ गया है।

क्या आधुनिक इंटरनेट दूरसंचार संक्रान्ति से अब टेलीविजन युग समाप्त होजाएगा?

एक समय ऐसा भी रहा है कि जब लोग चित्रहार, फिल्म, नाटक, सीरियल देखने दूसरों के घर टेलीविजन देखने जाते थे मगर आज के एंड्रॉयड फोन ने इंटरनेट के माध्यम से इस महान आविष्कार टेलीविजन युग को समाप्त कर दिया है। जॉन बेयर्ड ने टेलीविजन का आविष्कार कर ते हुए यह नहीं सोचा था केवल 100 वर्षों में इस टेलीविजन की प्रासंगिकता समाप्त हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि जॉन बेयर्ड ने 1920 में इसे थ्योरिटिकल बनाया था। 1927 में इस टेलीविजन के माध्यम एक मूवी प्रदर्शित की।

भारत में टेलीविजन युग 1964 में महानगरों में शुरू हुआ लेकिन 1980 में पूरे भारत में इसका आभास हुआ मगर 1984 टेलीविजन का प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के कस्बों में फैल गया। शनै शनै इसकी गुणवत्ता में रंग रूप में सुधार हुआ। लेकिन अब इंटरनेट युग में स्मार्ट मोबाइल तकनीक ने इसकी खत्म करने की कहानी लिख दी है।

भारत में साठ के दशक में रेडियो ही एक ऐसा माध्यम था जो लोगों को दूसरी दुनिया से जोड़ता था। सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम आकाशवाणी केंद्र सरकार के सूचना एवं तकनीकी मंत्रालय के अधीन आता था। रेडियो पर ही खबरें प्रसारित की जाती थीं और वे अधिकतर केंद्र सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री तक सीमित थीं। लेकिन 90 के दशक में टेलीविजन ने दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारण शुरू किया। पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्री रहते उदारीकरण नीति के तहत स्टार टीवी, जी टीवी, आजतक, एनडीटीवी एबीपी ने प्रवेश किया। तो सरकार के साथ विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका मिला। 20 वी सदी में मोबाइल में स्मार्ट फोन नहीं था। लेकिन 21 वी सदी दूसरे दशक में जापान ने एंड्रॉयड फोन से तहलका मचा दिया। वर्तमान युग में इस तकनीकी कौशल ने टेलीविजन युग को समाप्त करने का ऐलान कर दिया है। एंड्रॉयड फोन पर यूट्यूब, मेक्स प्लेयर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, आदि ने और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने जैसे मनुष्य के हाथ बहुद्देशीय टेलीविजन दे दिया है। यहां तक कि प्रिंट मीडिया को भी खासा नुकसान पहुंचा दिया है। इस स्मार्ट फोन पर इंटरनेट के माध्यम से दुनिया का कोई भी न्यूज चैनल देख सकते हैं। कोई भी सीधा प्रसारण, सभा, राजनीतिक कार्यक्रम देख सकते हैं यहां तक कि वर्चुअल कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

एंड्रॉयड फोन ने पेन पेंसिल, पार्ष, किताब, ड्राइंग, मैप, सभी को गहरा झटका दिया है। एक अध्ययन के मुताबिक अब नए टेलीविजन सेट नहीं खरीदे जा रहे हैं। टाटास्काई, एयरटेल, डीटीएच बन्द होने की कगार पर है। बताया जाता है कि अमेरिका, यूरोपीय देशों में भी यही स्थिति है। अब बीबीसी, सीएनएन जैसे बड़े चैनल और अखबारों ने अपने ऐप लांच कर दिए हैं ताकि व्यूवर क्षमता को कंट्रोल किया जा सके। यूरोपीय देशों में टेलीविजन युग 10 वर्ष पहले समाप्त हो गया। अब फुटबाल मैच का सीधा प्रसारण भी एंड्रॉयड फोन पर ही हो रहा है। 0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1365

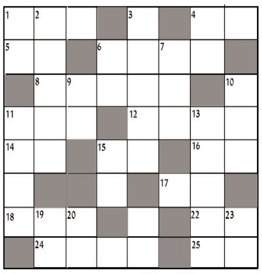

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह वेस्टइंडीज के ग्रेटर एण्टीलीज समूह का एक द्वीप है जिसकी राजधानी किंगस्टन है (3)
4. पुराणानसुर यह राजा ययाति का पुत्र था, दिवंगत अभिनेता राजकुमार का अभिनेता पुत्र (2)
5. मालिका, फूलों का हार (2)
6. जिसकी सभी सतह समान हों, हमवार (4)
8. चितवन चंचल करना, नेत्र मुद्रा करना, आंख मटकाना (5)
11. अनश्वर, अविचल (3)
12. शोभा, सजधज, कढ़ाई काम (4)
14. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, पेंदा, नीचे की सतह (2)
15. गौरव, दृढ़ प्रतिज्ञा (2)
16. नियम, कानून-कायदे (अंग्रेजी)(2)
17. प्रभाव, लक्षण (2)
18. अस्तित्व, मोजदूगी, विद्यमानता (3)
22. ग्राम, देहात, खेड़ा (2)
24. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
25. धैर्य, धीरज, स्थित चित्त (2)

ऊपर से नीचे

1. एकत्रित, संग्रहित, इकटठा किया हुआ (2)
2. फणीश्वर नाथ रेणु की इस सुप्रसिद्ध उपन्यास का प्रथम प्रकाशन 1954 में हुआ था (3)
3. कमल पर विराजित होने के कारण ब्रह्मा का एक नाम यह भी है (5)
4. ब्रिज, सेतु (2)
6. सत्य, हकीकत, यथार्थ, असलीयत (2)
7. कलह, वैमनस्य (3)
9. अकल्याणकारी, अहितकारी, दुर्जन (2)
10. जिसे टाला न जा सकें, स्थायी (3)
11. इसलिए, इस कारण, इस निमित्त (4)
13. ये भारतीय संसद के निम्न सदन लोसकभा सुल्तानपुर के सदस्य है (5)
15. किसी वस्तु को पाने की आकांक्षा (2)
19. कार्य या शक्ति का मात्रक (2)
20. भाव, मूल्य, निर्ख, दहलीज (2)
21. इनामल, मद्य कुंभ (2)
23. देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ (2)

वर्ग पहेली 1364 का हल

बो	लि	वि	या		प	ला	ऊ
ल		का	म		स	मा	न
ती	त	र		कु	ली		
बं	क		गु	रू		ग	प
द	री		म	रा	ठी		ह
क	र	वा		ज	क	ड़	ना
र		र	फू		आ		वा
ना	च	ना		म	ना	ली	

एकदा

देश में 1975 का आपातकाल संविधान की अनुच्छेद 352 के तहत लगाया गया था

पचास साल पूरे हो गए देश में आपातकाल लगाने के जो 25 जून 1975 का तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल की सिफारिश पर तत्कालीन राष्ट्रपति जनाब फकरुद्दीन अली अहमद ने संवैधानिक रूप से लगाया था। और कारण था श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद से इतीफा देने के बजाय यह रास्ता सत्ता में बने रहने के लिए चुना था क्योंकि उनके रायबरेली संसदीय चुनाव को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस सिन्हा ने गैर संवैधानिक मान कर अवैध घोषित कर दिया था। हालांकि अलाहाबाद हाइकोर्ट ने स्व श्रीमती इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा था। लेकिन तत्कालीन विपक्ष ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश भर में प्रदर्शन किया था और प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने की मांग की थी लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा ने रात्रि के दौरान मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर संविधान की अनुच्छेद 352 के सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर तत्कालीन राष्ट्रपति फकुरद्दीन अली अहमद से आपातकाल लगा दिया और नागरिकों के मौलिक अधिकार पर रोक लगाने का कार्य किया। इतना ही नहीं जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेई, लाल कृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, राजनरायन, सहित पूरे भारत के विपक्ष को रात ही जेल भेज दिया। उत्तर भारत में पूरी जेले नेताओं, कार्यकताओं, और अन्य से भर गईं।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

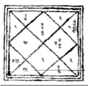

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज आप पिता का कोई जरूरी काम पूरा करेंगे। आपके पिता को आप पर गर्व होगा। छात्रों के लिये दिन ठीक रहेगा। आप किसी नए कोर्स के बारे में सोच-विचार कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः घरवालों के सहयोग से आप हर चीज को अच्छे से संभाल लेंगे। आपके ऊपर नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। आप घर में किसी कार्यक्रम की तैयारी करवा सकते हैं। आस-पड़ोस के लोग आपको देखकर खुश होंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतर हो सकता है। आप किसी धार्मिक कार्य में रुचि ले सकते हैं। ऑफिस का कोई व्यक्ति आपके घर पर आ सकता है। उनके साथ आप कुछ अच्छी बातें शेयर कर सकते हैं। बच्चे किसी काम में आपकी मदद ले सकते हैं।

कर्क राशिः आपको अपनी कार्यकुशलता में बढ़ोतरी करने की जरूरत है। आज आप किसी ओपन मार्केट में शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। आपको अपनी आमदनी को ध्यान में रखकर खर्चा करना चाहिए। करियर को लेकर आप कुछ परेशान हो सकते हैं।

सिंह राशिः आज बच्चों के किसी काम में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं। आपका दिन अच्छा बना रहेगा। काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है। आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी। किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए।

कन्या राशिः अगर आप किसी से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन आपके लिये बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आप अपने काम में सफल जरूर होंगे। जो लोग शादीशुदा हैं, वो आज कहीं घूमने जा सकते हैं। आपका समय बहुत अच्छा बीतेगा।

तुला राशिः आज के दिन आपको अपने काम में बड़ी ही सतर्कता बरतनी होगी। बिजनेस में किसी भी तरह के लेन-देन से आपको बचना चाहिए। आपको बिना वजह नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप किसी से जरूरी मीटिंग के लिये जा रहे हैं,

वृश्चिक राशिः आज आप अपने जीवनसाथी से बिजनेस की कोई बात शेयर कर सकते हैं। जीवनसाथी से काम को लेकर आपको कोई अच्छी सलाह भी मिल सकती है। केटरिंग का काम कर रहे लोगों के लिये दिन अच्छा रहेगा। बच्चे आज किसी स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं। घर पर खाली बैठे लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

धनु राशिः आज आप कोई नया बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं। आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा। आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे। आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं। परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा। अगर आपकी संतान विवाह के लायक है,

मकर राशिः सरकारी संस्थान से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहेगा, जबकि प्राइवेट काम करने वाले लोगों को कुछ परेशानी महसूस हो सकती है। आज आपको ऑफिस में एक्सट्रा काम करना पड़ सकता है। आप बच्चों को उचित समय नहीं दे पायेंगे।

कुंभ राशिः जीवनसाथी के साथ आप किसी ट्रिप की प्लानिंग कर सकते हैं। आप उन्हें कोई वाहन गिफ्ट कर सकते हैं। आपके दिन में ताजगी बनी रहेगी। आप कुछ अच्छे काम में अपना सहयोग दे सकते हैं। इससे समाज में आपका नाम होगा। आज सोसाइटी में किसी काम के लिये आपको अपॉइन्ट किया जा सकता है।

मीन राशिः आज किसी प्रॉपर्टी डीलर से आपकी मुलाकात हो सकती है। आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं। दोस्त की मदद से आपको किसी अच्छी कम्पनी में नौकरी मिल सकती है। आप लवमेट के साथ कहीं मूवी देखने जा सकते हैं।

16,000 साल से अधिक पुराना है दुनिया का सबसे पुराना पिरामिड गुनुंग पदांग

आर्कियोलॉजिस्ट्स ने 'दुनिया का सबसे पुराना' पिरामिड खोजा है, जो इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा द्वीप पर लावा की पहाड़ी के भीतर 98 फीट गहरा बना हुआ है. पता चला है कि जिसकी गहराई अंडरग्राउंड मल्टी स्टोरी बिल्डिंग जितनी है. इसका नाम गुनुंग पदांग पिरामिड है. इसकी कार्बन-डेटिंग से पता चलता है कि यह 16,000 साल से अधिक पुराना है.

कब खोजा गया था ये पिरामिड

रिपोर्ट के अनुसार, गुनुंग पदांग पिरामिड को पहली बार 1890 में डच खोजकर्ताओं ने खोजा था. इस प्राचीन जगह की हालिया रेडियोकार्बन डेटिंग जांच से चौंकाने वाले जानकारी निकल कर सामने आई है. पता चला है कि यह कम से कम अपने आकार का सबसे पुराना ज्ञात मानव निर्मित निर्माण भी हो सकती है.

कितना पुराना है ये पिरामिड?

परीक्षणों मे पिरामिड के शुरुआती निर्माण का भी पता चला है, जिसमें सीढ़िया एंडेसाइट लावा से तराशी गई थीं, जो 16 हजार साल से भी पहले आखिरी हिमयुग के दौरान बनाई गई थी. इसका मतलब यह है कि गुनुंग पदांग पिरामिड न केवल मिस्र में गीजा के सभी महान स्मारकों और पिरामिडों से, बल्कि इंग्लैंड के स्टोनहेंज से भी 10,000 साल पुराना है.

किससे बना है ये पिरामिड?

रिसर्चर्स ने पाया कि इंडोनेशियाई पिरामिड की पहली और सबसे गहरी परत साइट के ठंडे लावा प्रवाह से बनाई गई थी. गुनुग पडाग पिरामिड तुर्की में खोजे गए गोबेकली टेपे 'मेगालिथ' से भी हजारों साल पुराना साबित हो सकता है, जो 'दुनिया के सबसे पुराने' आर्कियोलॉजिकल साइट की दौड़ में आखिर स्थान पर है.

कैसी है इस पिरामिड की सरंचना?

इस प्राचीन पिरामिड की सरंचना के रहस्य की तह तक जाने में साइंटिस्ट्स जुटे हुए हैं. इसके लिए उन्होंने सब-सरफेस इमेजेज, कोर ड्रिलिंग और 'ट्रेंच' उत्खनन जैसी आधुनिक टेक्निक्स का सहारा लिया है. जिससे रिसर्चर्स गुनुंग पदांग पिरामिड की सरंचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है. उनको पिरामिड की परतों के बारे में पता चला है, जो इसकी सतह से 9 मंजिल नीचे (98 फीट या 30 मीटर) तक फैली हुई थी.

एक सींग वाले एशियाई गैंडे के लिए प्रसिद्ध है गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान

80 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान प्रसिद्ध पार्क पर्णपाती जंगलों से भरा हुआ है जो वनस्पतियों और जीवों की विस्तृत श्रंखला का दावा करता है। यह राष्ट्रीय उद्यान विशेष रूप से अपने एशियाई एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है, इसके अलावा राजसी एशियाई हाथी, शाही बंगाल टाइगर और ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल भारतीय जंगली कुत्ते, विशालकाय गिलहरी, जंगली सूअर, हिरण, कोबरा, अजगर, कठफोड़वा और कई अन्य प्रजातियों को भी यहाँ आसानी से देखा जा सकता है।

गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुडी जिले में मूर्ति और रैदक नदियों के तट पर स्थित पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान है। 80 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ यह प्रसिद्ध पार्क पर्णपाती जंगलो से भरा हुआ है जो वनस्पतियों और जीवों की विस्तृत श्रंखला का दावा करता है। यह राष्ट्रीय उद्यान विशेष रूप से अपने एशियाई एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है, इसके अलावा राजसी एशियाई हाथी, शाही बंगाल टाइगर और ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल भारतीय जंगली कुत्ते, विशालकाय गिलहरी, जंगली सूअर, हिरण, कोबरा, अजगर, कठफोड़वा और कई अन्य प्रजातियों को भी यहाँ आसानी से देखा जा सकता है। अपनी शानदार सुंदरता और वनस्पतियों और जीवों की समृद्धि के कारण, गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान पिछले एक दशक में एक उभरते हुए लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है जो हर साल कई हजारों भारतीय और विदेशी पर्यटकों की मेजबानी करता है।

1895 से एक आरक्षित वन होने के कारण गोरुमारा को 1949 में एक वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था जिसे भारतीय गैंडों की प्रजनन आबादी के कारण 31 जनवरी 1994 को एक भारतीय राष्ट्रीय उद्यान के रूप में आधिकारिक दर्जा दिया गया था। मूल रूप से यह पार्क 7 वर्ग किलोमीटर छोटा था जिसे पड़ोसी भूमि को लगभग 80 वर्ग किलोमीटर शामिल करके विकसित गया है। जिस क्षेत्र में गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान स्थित है, उसे डूअर्स के नाम से जाना जाता है। हिमालय की तलहटी में स्थित यह स्थान प्राकृतिक और प्राचीन सौंदर्य से भरपूर है। पार्क अपनी पर्वत श्रृंखलाओं और झरनों के साथ बिल्कुल आश्चर्यजनक लगता है। अधिकांश जंगल नम पर्णपाती है। हालाकि गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान का मुख्य वनस्पति साल है; सागौन, सिल्क कॉटन (सिमुल), रेन ट्री (शिरीष) और खैर भी यहाँ पाए जा सकते हैं साथ ही यहां कई तरह के ऑर्किड और फर्न भी देखे जा सकते हैं।

गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों और कीड़ों की कई प्रजातियों का घर है जो सबसे ज्यादा एक सींग वाले भारतीय गैंडों के लिए सबसे प्रसिद्ध है। यहां आमतौर पर पाए जाने वाले अन्य जानवरों में तेंदुए, हाथी, भारतीय बाइसन, रॉक पायथन, हिरण और मलायन विशालकाय गिलहरी शामिल है। कुल मिलाकर, पार्क में मांसाहारी और शाकाहारी जीवों की लगभग 48 प्रजातियां हैं। पार्क पक्षियों की 193 प्रजातियों, सरीसृपो की 22 प्रजातियो, कछुओ की 7 प्रजातियो और मछलियो की 27 प्रजातियों का निवास स्थान भी है। मिनिवेट्स, तीतर, हॉर्नबिल, कठफोड़वा, कोयल, कबूतर और मैना कुछ ऐसे पक्षी है जिन्हें आप यहाँ देख सकते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां चैती, सारस और आइबिस जैसे प्रवासी पक्षी भी देखे जा सकते है।

गोरुमारा नेशनल पार्क सफारी

सफारी राइड गोरुमारा नेशनल पार्क में सबसे प्रसिद्ध और मज़ेदार गतिविधि वन्यजीव सफारी है जिसकी बिना पार्क की यात्रा कभी पूरी नही होती है। इन सफारी के दौरान आप दूर से ही कई जानवरों, पक्षियों और पार्क की सुंदरता और भव्यता को देख सकते हैं। आप जब भी यहाँ आयेंगे तो दो प्रकार की सफारी चुन सकते हैं- हाथी सफारी और जीप सफारी, जो वन्यजीवों को देखने की गारंटी देती है। आप वन विभाग से अपनी वन सफारी बुक कर सकते हैं और गोरुमारा नेशनल पार्क की ट्रिप को एन्जॉय कर सकते है। खासकर सुबह या देर दोपहर की सफारी के दौरान।

मेथला वॉचटावर

यह वॉचटावर राष्ट्रीय उद्यान के पूर्वी किनारे की ओर कालीपुर इको गांव मे स्थित है। यहां अद्वितीय बैलगाड़ी चालित सफारी उपलब्ध हैं जो पर्यटकों को काफी आकर्षित और मनोरंजित करती है।

चंद्रचूर वॉचटावर

यह वॉचटावर विशाल और खुले घास के मैदान के बीच में स्थित है। यहां एक छोटा तालाब और नमक की झील भी है।

गोरुमारा नेशनल पार्क में घूमने की जगहें

यदि आप गोरुमारा नेशनल पार्क की यात्रा को प्लान कर रहे हैं तो हम आपको बता दे गोरुमारा नेशनल पार्क में विभिन्न वन्यजीवों के अलावा आप अन्य कई प्रसिद्ध जगहें भी हैं जिन्हें देखने के लिए जा सकते है।

जात्राप्रसाद

जात्राप्रसाद वॉच टॉवर गोरुमारा नेशनल पार्क का सबसे प्रसिद्ध लुकआउट है, और इसका नाम एक मादा हाथी के नाम पर रखा गया है जो अपनी देखभाल करने वाले स्वभाव के लिए प्रसिद्ध थी। इस प्रहरीदुर्ग का प्रवेश बिंदु राष्ट्रीय उद्यान के उत्तरी भाग में राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से है। वॉचटावर के ठीक नीचे नमक की झीलें इसे वन्यजीवों को देखने के लिए एक आकर्षक जगह बनाती हैं.

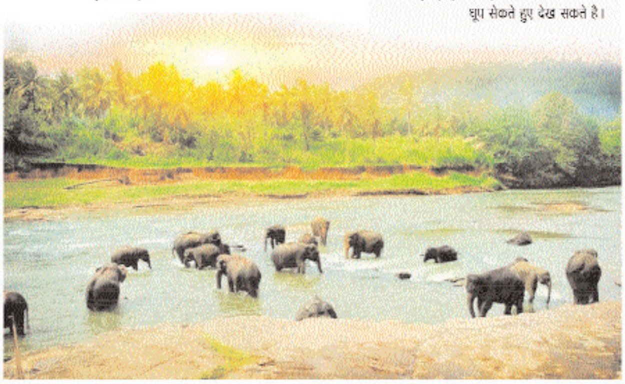

गोरुमारा नेशनल पार्क की यात्रा के लिए टिप्स

यदि आप गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा पर जाने वाले है, तो किसी भी दुर्घटना और परेशानी से बचने के लिए नीचे दिए इन टिप्स को अपनी यात्रा के दौरान अवश्य फोलो करें -

- गोरुमारा नेशनल पार्क की यात्रा पर जाने से पहले रूम और सफारी की बुकिंग अवश्य कर ले, क्योंकि पीक सीजन में कभी कभी सफारी और होटल्स की तुरंत बुकिंग करना थोड़ा मुश्किल होता है, जो आपकी यात्रा को प्रभावित कर सकते है।
- अपनी ट्रिप में चमकीले रंगों के कपड़े न पहने क्योंकि यह खतरनाक जानवरों को आकर्षित कर सकता है।
- पार्क के किसी प्रतिबंधित क्षेत्रों मे प्रवेश करने की कोशिश ना करें
- सफारी राइड में अपने गाइड की परमिशन के बिना जीप से बाहर ना निकलें।
- गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा में कैमरा, दूरबीन,सनग्लासेस और अन्य आवश्यक चीजें जरूर साथ रखें।
- पार्क में किसी भी जानवर को खिलाने या उनके पास जाने की कोशिश ना करें।

बता दे गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा में स्मोकिंग बिलकुल ना करे, क्योंकि इससे आग लगने का खतरा बना रहता है।

गोरुमारा नेशनल पार्क घूमने जाने का बेस्ट टाइम

गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों के घूमने के लिए 15 जून से 15 सितंबर तक बंद रहता है। लेकिन यदि हम गोरुमारा नेशनल पार्क घूमने जाने के लिए सबसे अच्छा समय की बात करे, तो अक्टूबर से अप्रैल गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान घूमने जाने के लिए बेस्ट टाइम होता है। क्योंकि सर्दियों का समय ऐसा समय होता है, जब गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान में आप बंगाल टाइगर, हिरण सहित विभिन्न वन्य जीवों को धूप सेकते हुए देख सकते है।

शेषनाग झील जम्मू कश्मीर में पहलगाम के पास स्थित है। 3590 मीटर की ऊंचाई वाली यह झील पहलगाम से कुल 23 किलोमीटर दूरी पर स्थित अमरनाथ गुफा तक जाती है। इसलिए जो यात्री अमरनाथ की यात्रा पर जाते हैं, वे शेषनाग झील भी जाते हैं। झील की लंबाई 1.1 किमी और चौड़ाई 1.7 किमी है। झील का नाम शेषनाग के नाम पर रखा गया है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार इसका अर्थ होता है दिव्य नाग या नागों का राजा। ऐसा कहा जाता है कि खुद नाग ने ही इस झील को खोदा था और यहीं अपना निवास स्थान बना लिया।

अमरनाथ गुफा तक जाती है 3590 मीटर की ऊंचाई वाली शेषनाग झील

शेषनाग को कई बार 5 सिर के साथ देखा गया है तो कई बार छह, सात और सौ सिरों के साथ। पर हिन्दू धर्म में शेषनाग के सात सिर ही माने जाते हैं। शेषनाग झील को प्राचीन काल से ही पवित्र माना जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यह अमरनाथ गुफा के तीर्थ मार्ग पर स्थित है। इस झील के प्राकृतिक परिवेश में हरेभरे चरागाह और बर्फ से ढके पहाड़ पर्यटकों को मोहित कर देते हैं। चंदनबारी से ऊपर की ओर जाने वाली ट्रेक या टट्टू की सवारी द्वारा इस झील तक पहुंचा जा सकता है। खास बात यह है कि सर्दियों में यह झील जम जाती है और गर्मियों के दौरान झील का पानी आमतौर पर ठंडा रहता है। यह झील देश के सबसे प्राचीन तीर्थ स्थलों में से एक है, जहां हर साल सैकड़ो भक्त आते हैं। 250 फीट गहरी इस झील की कोई तारीख उल्लेखित नहीं है, लेकिन शेषनाग कई हजार सालों से अस्तित्व मे है।

कौन हैं शेषनाग

शेषनाग का अर्थ सापों के राजा से है। इसके अलावा शेषनाग भगवान विष्णु का सिंहासन भी है। शेषनाग एक बड़ा सिर वाला नाग है, जिसे हिंदू पौराणिक कथाओं में नागों के राजा के रूप में जाना जाता है। मिथक के अनुसार ब्रह्मांड के सभी ग्रह नाग के सिर पर होते है और हर बार जब वह पृथ्वी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करता है तो भूकंप आता है। अमरनाथ जाने वाले सभी भक्त शेषनाग झील जरूर जाते हैं। साइंस के अनुसार यह झील बहुत अल्पपोशी है। अल्पपोशी का अर्थ है कम पोशक तत्वों का होना, जिससे ऑक्सीजन की मात्रा में इजाफा होता है। इसी वजह से इस झील का पानी काफी साफ और उपयोग करने वाला है। पर्यटक झील के पानी मे ट्राउट मछलियों को देख सकते हैं, ये ऐसी मछलियां होती हैं, जिन्हें ऑक्सीजन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

शेषनाग झील की पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव देवी पार्वती को अमरकथा सुनाने के लिए अमरनाथ ले जा रहे थे। वे चाहते थे कि इस कथा को कोई न सुने। क्योंकि जो इस कथा को सुनेगा वो हमेशा के लिए अमर हो जाएगा। इसलिए उन्होंने अपने अनंत सांपों -नागों को अनंतनाग में बैल नदी को पहलगाम में और चंद्रमा को चंदनवाड़ी मे ही छोड़ गए थे। लेकिन शेषनाग उनके साथ गया था, जिसे उन्होंने इस झील मे छोड़ दिया था। ताकि कोई इस झील को पार कर आगे न जा पाए। यही वजह है कि झील का नाम शेषनाग पड़ गया। दूसरी कथा यह है कि शेषनाग ने खुद इस जगह को खोदा और यहा रहने लगे। यहा के निवासियो का तो यह भी कहना है कि शेषनाग आज भी यहा रहते हैं और आज भी इस झील को कोई पार नहीं कर सकता।

शेषनाग झील का रहस्य

शेषनाग झील से जुड़ा एक ऐसा रहस्य है, जिसको सुनने के बाद हर कोई अचंभित हो जाता है। इस झील में घटने वाली एक घटना सदियों से हो रही है। यहा के स्थानीय लोगों में इस झील के प्रति गहरी आस्था और विश्वास है। झील के बारे में बताया जाता है कि इस झील में शेषनाग निवास करते है। 24 घंटों में एक बार खुशनसीबियों को ही शेषनाग के अद्भुत दर्शन होते है। सबसे हैरानी वाली बात तो ये है कि इस झील मे शेषनाग की आकृति साफ झलकती है। ये आकृति पानी पर उभरकर आती है, जिसे देखने के लिए भक्तो की भीड़ यहा जमा हो जाती है। हर साल हजारों लोग शेषनाग की आकृति को देखने के मकसद से यहा पहुंचते है।

आदर्श माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर के कक्षा 6वी, 9वी व 11वी के रिक्त सीटों के लिए 9 जुलाई तक होगा आवेदन जमा

कोरिया - शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि कक्षा ६वीं, ९वीं एवं ११वीं में रिक्त सीट में प्रवेश हेतु कक्षावार फॉर्म कार्यालय में उपलब्ध है।फॉर्म जमा करने करने की अंतिम तिथि ९ जुलाई सुबह ११ बजे से दोपहर ३ बजे निर्धारित है।

कक्षाओं में रिक्त सीट इस प्रकार है। कक्षा ६वीं में १४ पद अनुसूचित जाति ०४, अनुसूचित जनजाति १० एवं पिछड़ा वर्ग ०, कक्षा ९वीं में १० पद अनुसूचित जाति ०५, अनुसूचित जनजाति ०५ एवं पिछड़ा वर्ग ०, कक्षा ११वीं में १८ पद अनुसूचित जाति ०४, अनुसूचित जनजाति १३ एवं पिछड़ा वर्ग ०१ इस प्रकार कुल ४२ सीट उपलब्ध है।

न्यूज गैलरी

टीबी मरीजों के लिए 'निक्षय मित्र' बनकर आगे आए जनप्रतिनिधि और बैंक

कोरिया बैकुंठपुर। जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता राजवाड़े द्वारा बैकुंठपुर विकासखंड के ५ टीबी मरीजों को गोद लेकर, छह माह तक पोषण आहार देने की जिम्मेदारी ली गई। श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि वे स्वयं पूर्व में टीबी की मरीज रही हैं, इसलिए मरीजों की पीड़ा को समझती हैं और सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेंगी। इसके साथ ही भारतीय स्टेट बैंक बैकुंठपुर द्वारा भी ५ टीबी मरीजों का पोषण आहार सुनिश्चित करते हुए 'निक्षय मित्र' की भूमिका निभाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि जिले में वर्तमान में १०७ टीबी मरीज उपचाररत हैं, जिन्हें नियमित दवा के साथ पोषण आहार की आवश्यकता है। टीबी का उपचार और जांच पूर्णतः निःशुल्क है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल, जिला क्षय अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अस्पताल के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

युक्तियुक्तकरण से लौटी स्कूलों की रौनक, स्कूलों में फिर सुनाई दे रहे हिंदी अंग्रेजी के पाठ और गणित के सवालों की गूंज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू की गई युक्तियुक्तकरण नीति अब राज्य के दूरस्थ अंचलों के गांवों के विद्यालयों में नए उत्साह का संचार कर रही है। रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के पाकरगांव स्थित प्राथमिक शाला इसका जीवंत उदाहरण बन चुकी है। लंबे समय तक शिक्षकविहीन रह चुकी यह शाला अब शिक्षा की आवाज से गूंज रही है।

पाकरगांव का यह स्कूल पहले चार वर्षों तक एकल शिक्षक के भरोसे संचालित होता रहा। बाद में शिक्षक के अन्यत्र तबादले के कारण स्कूल पूरी तरह शिक्षकविहीन हो गया। परिणामस्वरूप बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई और पालकों में भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता बढ? लगी थी। कई बच्चों ने स्कूल आना तक बंद कर दिया था। सरकार द्वारा लागू युक्तियुक्तकरण के तहत अब पाकरगांव प्राथमिक शाला को दो शिक्षक उपलब्ध कराए गए हैं। इनकी नियमित उपस्थिति से विद्यालय की गतिविधियाँ फिर से सुचारू रूप से शुरू हो गई हैं। बच्चों को अब न केवल अक्षरज्ञान मिल रहा है, बल्कि हिंदी, अंग्रेजी और गणित जैसे विषयों की व्यवस्थित शिक्षा भी मिल रही है। अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण, हिंदी के पाठ, पहाड़े और गणित के सवालों के साथ कक्षा में फिर से रौनक लौट आई है। बच्चों के साथ-साथ पालकों और ग्रामवासियों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। विद्यालय में नियमित कक्षाएं लगने से अब पालक अपने बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए उत्साहित हैं। ग्रामवासी इस बदलाव को एक नई शुरूआत के रूप में देख रहे हैं। पाकरगांव प्राथमिक शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री त्रिनाथ सतपथी ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि युक्तियुक्तकरण के चलते हमारे गांव के बच्चों को अब फिर से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

प्रो.क्र.- 329/25
पेशी तारीख - 17/07/2025

न्यायालयः- व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी वर्ग-01 मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया (छ.ग.)

उत्तराधिकार प्र.क्र. 15/2024

रोशनी चौहथ पति स्व. रंजीत चौहथ
निवासी- हा.मु. वार्ड नं. 23, केशव ताल के पीछे सोहागपुर, शहडोल, तहसील एवं जिला - शहडोल (म.प्र.)
आधार नं. - 209001654780
पिन नं. - 484001

प्रति,
1. श्रीमान मुख्य महाप्रबंधक महोदय, एस.ई.सी.एल. हसदेव क्षेत्र, कार्यालय - साउथ झगराखांड (नई लेदरी), जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)
2. श्रीमान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़, एस.ई.सी.एल. हसदेव क्षेत्र, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)
3. श्रीमान आयुक्त महोदय, कोयला खान भविष्य निधि (सी.एम.पी.एफ.) सीपत रोड बिलासपुर, जिला - बिलासपुर (छ.ग.)
4. विजय चौहथ पिता स्व. सोमनाथ, उम्र - करीब 50 वर्ष
5. संजय कुमार चौहथ पिता स्व. सोमनाथ, उम्र - करीब 40 वर्ष
दोनों निवासी - वार्ड नं. 02, खैरमाता मंदिर के पास, सिंह पेट्रोल पम्प के पीछे, मनेन्द्रगढ़, थाना, तहसील व पोस्ट - मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)
6. सर्वसाधारण।

//ईश्तहार//

आवेदिका के द्वारा इस न्यायालय में एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का पेश किया गया है कि आवेदिका के ससुर स्व. सोमनाथ पिता सोनिया एस.ई.सी.एल. हसदेव क्षेत्र अंतर्गत केन्द्रीय चिकित्सालय मनेन्द्रगढ़ में सफाई कर्मचारी के पद पर स्थायी कर्मचारी थे। जिनकी मृत्यु वर्ष 2012 में हो गई है। जिनके नाम पर अनावेदक क्रमांक 01, 02 एवं 03 के कार्यालय में ग्रेच्युटी, एल.सी.एस. एवं पी.एफ. की कुल राशि 31,25,000 (एक्तीस लाख पच्चीस हजार रू.) एवं ब्याज जमा है। जिसे प्राप्त करने के लिए आवेदिका एवं अनावेदक क्रमांक 04 एवं 05 बराबर-बराबर के उत्तराधिकारी हैं। अतः उपरोक्तानुसार उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र जारी किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त राशि के संबंध में आवेदिका एवं अनावेदक क्रमांक 04 एवं 05 के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने में यदि किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अपना पक्ष इस न्यायालय में दिनांक 17/07/2025 को प्रातः 11.00 बजे उपस्थित होकर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत करे, उक्त दिनांक तक कोई आपत्ति नहीं होने पर आवेदन पत्र की सुनवायी किये जाकर नियमानुसार आदेश पारित किया जावेगा। उक्त दिनांक को अवकाश घोषित होने पर आवेदन पत्र की सुनवायी आगामी कार्य दिवस को होगी।

आज दिनांक 26/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
स्थानः- मनेन्द्रगढ़
दिनांकः- 26/06/2025
(बृजेश राय)
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी वर्ग-1
मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार/ तहसीलदार (नजूल) मनेन्द्रगढ़, जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
(योगेश गुप्ता प्रति ऋषि सर्राफ वगैरह)
//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./202506330100003
/अ-20(3)/24-25

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम/नगर मनेन्द्रगढ़, प.ह.नं. 14, रा.नि.मं. मनेन्द्रगढ़ (श.), तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री योगेश गुप्ता आ. श्री मनोहरलाल गुप्ता निवासी ओल्ड विजय नगर कॉलोनी बेलनगंज जिला आगरा (उ.प्र.) द्वारा मुख्तारआम जयकिशन सोनी आ. गुलाबचंद सोनी निवासी मनेन्द्रगढ़, थाना व तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) के द्वारा आवेदक के भूमिस्वामी हक की नगर मनेन्द्रगढ़ स्थित नजूल भूखण्ड क्र. 393/3 रकबा 1336.96 वर्गफीट भूमि को पारिवारिक कार्यों हेतु धन की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक क्र. 1 ऋषि सर्राफ एवं अनावेदक क्र. 2 अरविन्द सर्राफ दोनों आ. विष्णु प्रसाद सर्राफ, निवासी मनेन्द्रगढ़, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय जिला एम.सी.बी. के न्यायालय में प्रस्तुत किये हैं। उक्त प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) महोदय मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उक्त संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को आपत्ति/दावा पेश करना है तो दिनांक 04/07/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किसी भी प्रकार का आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार/तहसीलदार (नजूल)
मनेन्द्रगढ़
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का किया गया सघन निरीक्षण

कई दुकानों से खाद्य सामग्रियों के विधिक नमूने परीक्षण हेतु भेजे गए

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत जिले में अपमिश्रित खाद्य पदार्थों की रोकथाम हेतु समस्त खाद्य प्रतिष्ठानों का सतत एवं सघन निरीक्षण किया जा रहा है।

अभियान के तहत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों से विधिक एवं सर्विलांस नमूने संकलित किए गए। चिरमिरी स्थित मेसर्स अरविंद इंटरप्राइजेज से विस्क फार्म हेयलो बटर कुकीज एवं अमूल ताजा होमोजिनाइज्ड टोन्ड मिल्क, मेसर्स एन एच 43 ग्रॉसरी चिरमिरी रोड नागपुर से लाल गुलाब दलिया तथा मेसर्स महेंद्रा एजेंसी फौव्वारा चैक मनेंद्रगढ़ से कैलॉग्स कॉर्न फ्लेक्स के विधिक नमूने संकलित किए गए। इसी क्रम में महंत होटल नागपुर एवं गुप्ता स्वीट्स नागपुर से प्रयुक्त रिफाइंड सोयाबीन कुकिंग ऑयल तथा मेसर्स जे. अमरचंद जैन एंड कंपनी मनेंद्रगढ़ से फॉर्च्यून प्लस रिफाइंड सोयाबीन तेल, फॉर्च्यून राइस ब्रान तेल एवं फॉर्च्यून रिफाइंड सनफ्लावर तेल के सर्विलांस नमूने संकलित किए गए हैं। सभी नमूने परीक्षण एवं विश्लेषण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता को लेकर संदेह हो तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें, जिससे समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

कोरिया - छत्तीसगढ़ माध्यामिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित की जाने वाली हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा ०८ जुलाई से २२ जुलाई २०२५ एवं हाई स्कूल मुख्य अवसर परीक्षा ०९ जुलाई से २१ जुलाई २०२५ के मध्य सम्पन्न होगी।

उक्ताशय की जानकारी अपर कलेक्टर श्री डी.डी. मण्डावी ने दी है कि इन परीक्षाओं के सम्पादन व परीक्षा संबंधी विभिन्न कार्य जैसे-मण्डल मुख्यालय रायपुर से जिले के लिये गोपनीय सामग्री रवाना, वितरण करने तथा परीक्षा के दौरान केन्द्रों में उड़नदस्ता दल भेजने एवं मूल्यांकन आदि कार्यों की मॉनेटरिंग व समन्वय के लिये तथा परिक्षाओं को सुचारू रूप से संचालन हेतु कोरिया के डिप्टी कलेक्टर श्री उमेश कुमार पटेल, को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

स्वरोजगार में रुचि रखने वालों के लिए बेहतर अवसर

कोरिया - जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार केन्द्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान अंतर्गत खाने की वस्तुएं बनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) संचालित है। इस वर्ष २०२५-२६ के लिए जिले में ७७ हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में कार्यरत व कार्य करने की इच्छुक व्यक्ति योजना का लाभ ले सकते है, जिसमें परियोजना लागत का ३५ प्रतिशत.अधिकतम १० लाख रुपए अनुदान प्रदान की जाएगी। योजना अंतर्गत आवेदन ऑनलाइन पीएमएफएमई के पोर्टल में करना होगा। जिसमें फोटो, आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक पासबुक व अन्य आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना होगा। व्यक्तिगत तथा स्वयं सहायता समूह दोनों को योजना में अनुदान मिलेगा तथा गुड उद्योग, राईस मिल, कोदो मिल, मसाला उद्योग, आटा चक्की, पोहा मिल, बेसन निर्माण, नमकीन मिक्चर निमार्ण, पापड निमार्ण, बेकरी, टमाटर सॉस, चिप्स, पापड़ी, रेवड़ी, ब्रेड, मिठाई, गुपचुप, लड्डू, रेडी टू ईट निर्माण जैसे सभी तरह के खाने की वस्तुएं बनाने वाले उद्यमी इस योजना का लाभ ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कलेक्टर परिसर प्रथम तल, कक्ष क्रमांक ६१ में सम्पर्क कर १५ जुलाई २०२५ तक आवेदन कर सकते है।

पीएम सूर्यघर से उपभोक्ताओं को होने लगी पैसे की बचत

कोरिया बैकुंठपुर - च्कभी सपने में नहीं सोचा था खुद के घर में बिजली पैदा होगी, लेकिन यथार्थ है और इस कल्पना को साकार किसी ने किया है तो देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्षिता प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की अहम निर्णय ने।च्यह बातें साझा की कोरिया जिले के पीएम सूर्यघर योजना के लाभार्थियों ने।

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में भी प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की शुरूआत हो चुकी है। सैकड़ों लोग रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। पीएम सूर्यघर योजना के लाभार्थियों ग्राम ओड़गी निवासी सुरेश बाबू शर्मा और हरापारा निवासी शिवशंकर साहू ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के बारे में उन्हें समाचार पत्रों, सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली। इन्होंने बताया कि इस बारे में स्थानीय बिजली ऑफिस में संपर्क किया और बैंक से लोन लेकर सोलर पैनल स्थापित कराया।

श्री शर्मा एवं श्री साहू ने बताया कि तीन किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाने के लिए ६.५ प्रतिशत की दर से बैंक से ऋण प्राप्त किया है। इन लाभार्थियों ने बताया कि केंद्र सरकार से मिलने वाली ७८ हजार रुपए की सब्सिडी भी समय पर प्राप्त हो गई है।

शासन से मिल रही सब्सिडी - उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में छत्तीसगढ़ सरकार ३० हजार रुपए तक का अतिरिक्त अनुदान देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत स्थापित सोलर रूफ-टॉप संयंत्र विद्युत ग्रिड से नेट मीटरिंग के माध्यम से जोड़ा जाता है। योजना के अंतर्गत एक किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र सरकार से ३० हजार रुपए और राज्य सरकार से १५ हजार रुपए यानि कुल ४५ हजार रुपए की सब्सिडी मिलती है। दो किलो वॉट पर केंद्र सरकार से ६० हजार रुपए और राज्य सरकार से ३० हजार रुपए तथा तीन किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित करने पर केंद्र सरकार से ७८ हजार रुपए और राज्य सरकार से ३० हजार रुपए यानि कुल एक लाख आठ हजार रुपए का अनुदान प्राप्त होगा। इन लाभार्थियों ने बताया कि अब इस योजना से उन्हें आर्थिक बचत होगी साथ ही हाफ बिजली से शून्य बिजली की ओर बढ़ेंगे। इन दोनों उपभोक्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कभी कल्पना नहीं किए थे कि उनके घर में ही बिजली पैदा होगी, लेकिन सच यही है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) एवं नजूल अधिकारी, बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

बैकुण्ठपुर, दिनांक 27/06/2025

क्रमांक1069/वाचक-1/2025ः कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) के पत्र क्रमांक 2083/ना०पा०परि०/2025 बैकुण्ठपुर, दिनांक 23.06.2025 के साथ संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास इन्द्रावती भवन अटल नगर रायपुर का पत्र क्रमांक/सर० प्र०-5/4337 अटल नगर दिनांक 28.05.2025 संलग्न कर नालान्दा परिसर निर्माण हेतु भूमि आबंटन की मांग की गई है। उपरोक्त के संबंध में नगर बैकुण्ठपुर स्थित नजूल भूमि प्लॉट क्रमांक 84, 85, 86 को चिन्हांकित किया गया है।

अतः नगर बैकुण्ठपुर स्थित नजूल भूमि प्लॉट क्रमांक 84, 85, 86 के आबंटन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दिनांक 14/07/2025 को 11.00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 27/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
एवं नजूल अधिकारी, बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया (छ०ग०)

एसईसीएल मुख्यालय के 8 कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गयी

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले 8 कर्मियों को मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी।

मुख्यालय प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में महाप्रबंधक (पर्यावरण) बी.के. जेना, विभीन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों, श्रमसंघ पदाधिकारियों की उपस्थिति में श्री मनोरंजन बिस्वाल महाप्रबंधक (वित्त) वित्त विभाग, श्री शरद नायडू सहायक अभियंता विद्युत यांत्रिकी विभाग, दिनेश पाण्डेय कार्यालय अधीक्षक ए-1 सामग्री प्रबंधन विभाग, श्रीमती सजेदा खान कार्यालय अधीक्षक ए-1 वसंत विहार स्वास्थ्य केंद्र, श्री चन्द्रशेखर पाण्डेय मुख्य मान चित्रकार सिविल विभाग, श्री तेजप्रताप कार्यालय अधीक्षक विक्रय विपणन विभाग, श्री राजेश कुमार शुक्ला लेखापाल पीआरबी सेल, श्री विनोद कुमार साहू वरीय लिपिक (राजभाषा) राजभाषा विभाग को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी। इस अवसर पर प्रबंधन ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी के कंपनी के प्रति उनके योगदान को अमूल्य बताया। अंत में सेवानिवृत्त कर्मियों के सपरिवार उज्जवल भविष्य की ईश्वर से कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने संबोधन में कहा कि कम्पनी में कार्य करते हुए हमारा पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, विशेषकर बच्चों का शैक्षणिक विकास हुआ है, सभी ने कम्पनी के प्रति आभार जताते हुए कम्पनी के उतरोत्तर प्रगति की कामना की।

धरती आबा शिविरों में जनजाति समुदाय के लोगों के चेहरे में आई रौनक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार
100 दिन के रोजगार की गारंटी के साथ निशुल्क बने 462 जॉब कार्ड
जनजाति परिवार के जीवन स्तर बेहतर हो-कलेक्टर

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में चल रहे धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत अब तक ४६२ जनजाति परिवारों को मनरेगा योजना के तहत जॉब कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे उन्हें अपने ही गांव में १०० दिनों के रोजगार की गारंटी मिल रही है। इससे आदिवासी समुदाय के चेहरे पर उम्मीद, रौनक और आत्मनिर्भरता की मुस्कान देखने को मिल रही है।

इन लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा जनजाति समाज को आगे बढ़ाने, रोजगार मुहैया कराने, विकास के मुख्यधारा में शामिल करने और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में यह अभियान लाभदायक हो रहा है।बता दें कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिलेभर में इस अभियान को सेचुरेशन मोड में चलाया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र हितग्राही जनहितकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

सभी पात्र जनजाति परिवार के जीवन स्तर बेहतर हो - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि धरती आबा अभियान का मुख्य उद्देश्य जनहितकारी योजनाओं में शत-प्रतिशत पात्रता सुनिश्चित करना है। मनरेगा योजना आजीविका विकास का एक सशक्त माध्यम है और प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र जनजाति इस योजना से जुड़कर अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सके।

ग्रामीणों ने कहा खेती के बाद रोजगार की चिंता नहीं - शिविरों में पहुंचने वाले कई युवा कार्ड प्राप्त कर सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाते नजर आए, जो उनके आत्मविश्वास और जागरूकता का प्रतीक है। ग्रामीणों ने बताया कि अब खेती के बाद खाली समय में उन्हें रोजगार की चिंता नहीं रहेगी।

मनरेगा योजना के तहत अब तक बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत में ४३४ तथा सोनहत जनपद पंचायत में २८ जॉब कार्ड बनाकर प्रदान किए गए हैं।ग्राम पंचायत अकलासरई के हितग्राही सुदर्शन, शोभा, दीपू, कुलदीप और रामवती ने बताया कि उन्हें धरती आबा शिविर में ही तुरंत जॉब कार्ड मिल गया, जिससे अब अपने गांव में ही काम कर पाएंगे।

पात्र हितग्राहियों को जोड़ने के लिए घर-घर सर्वे - जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुवेर्दी ने बताया कि जिले के सभी पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने के लिए घर-घर सर्वे और जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। रोजगार सहायक और मेटों के सहयोग से जॉब कार्ड बनाने में शत-प्रतिशत सफलता मिली है।

मिशन शक्ति - मनेन्द्रगढ़ में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मिशन शक्ति हब के अंतर्गत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत मनेन्द्रगढ़ में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (शिक्षा विभाग) एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (टी) मनेन्द्रगढ़ में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय की सभी छात्राओं ने भाग लिया। उन्हें आत्मरक्षा के विभिन्न व्यावहारिक गुण सिखाए गए, जिससे वे विपरीत परिस्थितियों में खुद की रक्षा कर सकें और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकें। प्रशिक्षण का नेतृत्व मास्टर ट्रेनर प्रभावती ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य सतेन्द्र कुमार सिंह, उदय मिश्रा, प्रभारी प्राचार्य अर्चना वैष्णव, खेल शिक्षक सुमित कुमार जायसवाल सहित विद्यालय समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाई। मिशन शक्ति हब की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा एवं जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता ने संपूर्ण आयोजन को समन्वित रूप से संपन्न कराया। छात्राओं ने प्रशिक्षण के बाद इसे बेहद उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाते हैं। यह पहल निश्चित रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में एक मजबूत कदम सिद्ध हो रही है।

नंदमुरी बालकृष्ण गोपीचंद मालिनेनी के साथ अगली फिल्म ऐतिहासिक महाकाव्य एनबीके111 की घोषणा

जनता के भगवान नंदमुरी बालकृष्ण लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बालकृष्ण की 111वीं फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई। फिल्म एनबीके111 को ब्लॉकबस्टर निमार्ता गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित किया जाएगा, और यह वीरा सिम्हा रेड्डी जैसी हिट फिल्म के बाद उनका दूसरा सहयोग है। वेंकट सतीश किलारू जो वर्तमान में पेड्डी जैसी पैन इंडिया फिल्म बना रहे हैं, वे वृद्धि सिनेमा बैनर पर उच्च बजट के साथ बड़े पैमाने पर नई परियोजना को वित्तपोषित करेंगे। घोषणा पोस्टर में एक उग्र शेर की भयंकर छवि दिखाई गई है। उसका आधा चेहरा धातु की ढाल से ढका हुआ है, जबकि दूसरा आधा खुला और जंगली है। यह आकर्षक छवि उस किरदार की गहन द्वंद्व और कच्ची शक्ति का प्रतीक है जिसे बालकृष्ण इस फिल्म में निभाने वाले हैं।

इंग्लैंड में बने 820 रन, कई बल्लेबाजों ने जड़े शतक, टूट गया 125 साल पुराना रिकॉर्ड

नईदिल्ली,01 जुलाई। इंग्लैंड के द ओवल ग्राउंड पर उस वक्त रनों की बारिश होने लगी जब काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन वन 2025 में सरे और डरहम की टीम आमने सामने थीं. सरे की टीम टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने के लिए आए और 9 विकेट के नुकसान पर 161.3 ओवर में 820 रनों का विशाल स्कोर बना दिया. इसके साथ ही सरे ने अपना ही 125 साल पुराना क्लब रिकॉर्ड को भी तोड़ा दिया है. जो 1899 में समरसेट के खिलाफ इसी ग्राउंड पर 811 रनों का था.

यह क्लब के इतिहास का चौथा जबकि सरे का सबसे बड़ा टीम स्कोर है. पहले नंबर पर यॉर्कशायर का नाम है, जिन्होंने 1896 में वारविकशायर के खिला एजबेस्टन में 887 रन बनाए थे, जबकि दूसरे नंबर पर लंकाशायर का नाम है, उन्होंने 1990 में सरे के खिलाफ द ओवल में 863 रन बना कर ये उपलब्धि हासिल की थी. तीसरे नंबर पर समरसेट (850), चौथे पर सरे (820) और पांचवें पर सरे (811) का नाम है.

मैच में चार खिलाड़िसों ने शतकीय पारी खेली, जिसमें सलामी बल्लेबाज डोम सिबली ने 475 गेंदों पर 305 रन बनाकर टीम की अगुवाई की. यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सिबली का पहला तिहरा शतक था, जिसमें 29 चौके और दो छक्के शामिल थे. इसके अलावा डेन लॉरेंस ने 149 गेंदों पर 178 रन बनाए, जबकि सैम करन ने 124 गेंदों पर 108 रनों की पारी खेली. विल जैक्स ने भी 94 गेंदों पर 119 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल थे.

छोटी खबरें

भारतीय टीम में होंगे 3 बड़े बदलाव, नीतीश और सुंदर की होगी एंट्री

नई दिल्ली,01 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के साथ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेलने वाली हैं. इस मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग-11 क्या होने वाली हैं. इसको लेकर भारतीय क्रिकेट फैंस के मन में सवाल उठ रहे हैं. आज हम आपको इस बारे में ही बताने वाले हैं.

इंडियन क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोशेट ने 30 जून को मीडिया को संबोधित करते हुए प्लेइंग-11 को लेकर इशारों-इशारों में कई बड़े खुलासे किए हैं. भारतीय कोच ने टीम में 3 बदलावों के संकेत दिए हैं. उन्होंने कहा, बुमराह खेलने के लिए तैयार हैं. अगर हमें लगता है कि इस टेस्ट में उसे खिलाना फायदेमंद होगा, तो हम आखिरी समय में ही यह फैसला लेंगे.

टेन डोशेट ने आगे कहा, यह सिर्फ इतना है कि हम किन दो को खिलाते हैं. तीनों स्पिनर बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं. वाशिंगटन सुंदर बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं. तो यह सिर्फ इतना है कि हम किस संयोजन के साथ खेलते हैं? ऑलराउंडर-स्पिनर या आउट-एंड-आउट स्पिनर? और जाहिर है कि आपको फिर से गेंदबाजी ऑलराउंडर को खिलाना होगा लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस टेस्ट में दो स्पिनर खेलेंगे.

टेन डोशेट ने कहा, वो (रेड्डी) एक गेम पाने के बहुत करीब है. जाहिर है वह ऑस्ट्रेलिया में शानदार था टीम में आया और जिस तरह से खेला. हमें लगा कि संतुलन के लिए आखिरी गेम के लिए हम गेंदबाजी ऑलराउंडर के साथ जाना चाहते थे. जिसके बारे में हमें लगा कि शार्दुल गेंदबाजी के मोर्चे पर थोड़ा आगे था. हम इस पहेली को फिर से सुलझाने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं ताकि हम एक बैटिंग ऑलराउंडर को शामिल कर सकें और जाहिर है कि नीतीश इस समय हमारे बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर हैं. इसलिए मैं कहूंगा कि उनके पास यह टेस्ट खेलने का बहुत अच्छा मौका है.

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साईं सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), करुण नायर, रविंद्र जडेजा/नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर/ कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा,अर्शदीप सिंह.

ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2028-29 तक राजस्व दोगुना कर दो अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा

मुंबई ,01 जुलाई । एस्सार ग्रुप की टेक्नोलॉजी शाखा ब्लैक बॉक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2028-29 तक अपना राजस्व दोगुना कर दो अरब डॉलर तक करने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज लिमिटेड की रिपोर्ट में सामने आई है। डेटा सेंटर और एंटरप्राइज नेटवर्किंग क्षेत्रों में बढ़ती मांग और मजबूत ऑर्डर बुक से कंपनी के यह लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के नए ऑर्डर 21.8 करोड़ डॉलर तक पहुंच चुके हैं, जिसका बुक टू बिल अनुपात 1.22 है। वहीं, कुल ऑर्डर बुक 50.4 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है, जो सालाना आधार पर सात प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि ब्लैक बॉक्स के पास 2.5 अरब डॉलर की संभावित डील पाइपलाइन में है, जो भविष्य में तेज विकास की स्पष्टता प्रदान करती है। खास बात यह है कि वैश्विक आईटी खर्च 2024 में 5.27 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे कंपनी को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

ब्लैक बॉक्स का वर्टिकलाइज्ड सेल्स मॉडल इसके शीर्ष 300 वैश्विक ग्राहकों पर केंद्रित है, जिनमें मेटा, इंटेल, डिजनी और बैंक ऑफ अमेरिका जैसी फॉर्च्यून 500 कंपनियां शामिल हैं।

रद्द हो जाएगी भारत-बांग्लादेश सीरीज? सामने आई बड़ी वजह

0-रोहित-विराट के फैंस को लगा झटका

नई दिल्ली,01 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज खेलनी थी. इस सीरीज के लिए भारत को बांग्लादेश जाना है. ऐसे में इस सीरीज पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं. क्योंकि अभी भी सरकार की ओर से बीसीसीआई को इस सीरीज के लिए मंजूरी नहीं मिली है.

क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो बीसीसीआई अभी भी बांग्लादेश दौरे के लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है. ऐसे में अभी के लिए इस सीरीज पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं. क्योंकि अगर सरकार भारतीय टीम को बांग्लादेश जाने की मंजूरी नहीं देता तो इस सीरीज पर खतरा मंडरा सकता है. इस समय दोनों देशों के राजनीतिक संबंध कुछ अच्छे नहीं हैं, जिसका असर इस सीरीज पर पड़ सकता है.

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा, बीसीसीआई के साथ चर्चा चल रही है. ये चर्चा काफी सकारात्मक है. हम चर्चा कर रहे हैं कि सीरीज कैसे आयोजित कर सकते हैं. हम अभी अगर इस सीरीज की मेजबानी नहीं कर सकते हैं, तो इसे किसी अन्य संभावित समय पर आयोजित करेंगे. भारतीय क्रिकेट टीम को बांग्लादेश के साथ 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है. इस सीरीज का पहला वनडे मैच 17 अगस्त जबकि अंतिम मैच 23 अगस्त को खेला जाने वाला था. इस सीरीज पर अभी भारत और बांग्लादेश के क्रिकेट बोर्ड क्लियर नहीं हैं. भारत और बांग्लादेश के बीच अंतिम वनडे सीरीज साल 2014 में खेली गई थी. इसके बाद से अब तक इन दोनों देशों के बीच कोई भी वनडे सीरीज नहीं खेली गई है.

ये सीरीज अगर किसी भी कारण से स्थगित या रद्द हो जाती है तो विराट कोहली और रोहित शर्मा को जल्द ही वनडे क्रिकेट खेलते देखने का उनके फैंस का सपना टूट सकता है. क्योंकि रोहित और कोहली दोनों ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं.

डिजिटल इंडिया के 10 साल : एक डिजिटल डिवाइड वाले देश से डिजिटल विश्वगुरु बनने तक भारत की परिवर्तनकारी यात्रा

नई दिल्ली ,01 जुलाई । एक दशक पहले तक जिसे डिजिटल असमानता और सीमित तकनीकी पहुंच के लिए जाना जाता था, भारत ने बीते 10 वर्षों में डिजिटल इंडिया अभियान के जरिए खुद को दुनिया की डिजिटल राजधानी के रूप में स्थापित कर लिया है। 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना ने आज देश के करोड़ों नागरिकों को न सिर्फ तकनीक से जोड़ा है, बल्कि शासन, अर्थव्यवस्था और समाज में पारदर्शिता और जवाबदेही की नई इबारत भी लिखी है।

डिजिटल इंडिया अभियान के तहत आज 95 प्रतिशत से अधिक गांवों में इंटरनेट पहुंच चुका है।2014 में जहां ग्रामीण टेलीफोन कनेक्शन 37.77 करोड़ थे, वहीं 2025 तक यह आंकड़ा बढ़कर 53.66 करोड़ हो गया है। इसके साथ ही, इंटरनेट यूजर्स की संख्या 2014 में 25 करोड़ से बढ़कर 2025 में 97 करोड़ तक पहुंच गई है। यानी 288 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है, जिससे यूके, जर्मनी और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देश भी पीछे छूट गए हैं। 2022-23 में डिजिटल अर्थव्यवस्था का राष्ट्रीय आय में योगदान 11.74 प्रतिशत था, जो 2024-25 तक 13.42 प्रतिशत और 2029झ30 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।भारत की अपनी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आज यूएई, सिंगापुर, फ्रांस, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मॉरीशस जैसे देशों में उपयोग हो रही है। 2025 के मई महीने में यूपीआई से 25.14 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड ट्रांजैक्शन हुआ, जो एक मूक क्रांति की गवाही देता है। बिल गेट्स ने भारत की यूपीआई और आधार व्यवस्था को डिजिटल गवर्नेंस का स्वर्ण मानक बताया है।

इसके साथ ही, डीबीटी के जरिए अब तक 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे हैं। इस व्यवस्था से सरकार को 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है, जिसमें से अकेले 1.85 लाख करोड़ की बचत खाद्य सब्सिडी से हुई है। इसके जरिए 5.87 करोड़ फर्जी राशन कार्ड और 4.23 करोड़ फर्जी एलपीजी कनेक्शन रद्द किए गए हैं।

भारतनेट योजना के जरिए 2.18 लाख ग्राम पंचायतों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंच चुका है। पीएमजी दिशा के अंतर्गत 4.78 करोड़ ग्रामीणों को डिजिटल साक्षरता दी गई। दिलचस्प बात यह है कि 45 प्रतिशत स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों से आ रहे हैं, जिससे भारत का ग्रामीण इलाका डिजिटल नवाचार का नया केंद्र बन गया है।

देश के 709 जिलों में 4,671 ई-सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। वहीं, उमंग ऐप पर 1,668 से अधिक सेवाएं और 20,197 से ज्यादा बिल पेमेंट विकल्प मौजूद हैं। डिजी लॉकर के 51.6 करोड़ उपयोगकर्ता अब दस्तावेजों तक तुरंत पहुंच पा रहे हैं।

-------------------------- फिल्म/व्यापार--------------------------

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे पर अपनी त्वचा को दें कैलिफोर्निया आमंड्स का पोषण

रायपुर। वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे २०२५ की थीम इस बार है त्वचा की सेहत के बिना संपूर्ण स्वास्थ्य संभव नहीं, जो इस बात पर जोर देती है कि स्किन केयर सिर्फ क्रीम और लोशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी शुरूआत हमारे खान-पान से होती है। कैलिफोर्निया आमंड्स, जो विटामिन ई और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, त्वचा को अंदर से पोषण देकर इसे स्वस्थ और दमकता बनाए रखने में मदद करते हैं। कैलिफोर्निया आमंड्स १५ जरूरी पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत हैं, जिनमें से कई त्वचा की रंगत और बनावट सुधारने में असरदार माने जाते हैं। इनमें मौजूद विटामिन ई और हेल्दी फैट्स त्वचा को उम्र के असर से बचाने वाले एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर होते हैं। रिसर्च से यह भी सामने आया है कि नियमित रूप से बादाम खाने से चेहरे की झुर्रियों को कम किया जा सकता है। यानी ब्यूटी रूटीन में बादाम को शामिल करना आसान और असरदार तरीका हो सकता है।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे के मौके पर त्वचा की देखभाल के बारे में बात करते हुए स्किन एक्सपर्ट और कॉस्मेटोलॉजिस्ट डॉ. गीतिका मित्तल गुप्ता ने कहा, "मैं हमेशा अपने क्लाइंट्स को याद दिलाती हूं कि असली स्किन हेल्थ शरीर के भीतर से शुरू होती है। अच्छी नींद, एक्टिव रहना और पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, ये सब मिलकर त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं। मेरी सबसे जरूरी सलाहों में से एक है रोजाना बादाम को डाइट में शामिल करना, चाहे स्नैक के रूप में या भोजन में मिलाकर। बादाम विटामिन ई, प्रोटीन, जिंक और कॉपर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को भीतर से पोषण देते हैं और यूवीबी किरणों से भी बचा सकते हैं। ऐसे छोटे-छोटे लेकिन नियमित बदलाव लंबे समय तक हेल्दी और ग्लोइंग स्किन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।"

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा, ₹एक अभिनेत्री होने के नाते, मेरी त्वचा की सेहत मेरे लिए बेहद जरूरी है। हमें लंबे समय तक भारी मेकअप लगाना पड़ता है, जिससे त्वचा पर असर पड़ सकता है। इससे निपटने के लिए मैं न सिर्फ स्किन केयर रूटीन अपनाती हूं, बल्कि इस बात का भी ध्यान रखती हूं कि मेरा खानपान संतुलित और पोषण से भरपूर हो। मेरी सबसे पसंदीदा चीजों में से एक है बादाम। मैं हमेशा कैलिफोर्निया आमंड्स का एक छोटा डिब्बा अपने साथ रखती हूं। ये मुझे लंबे समय तक संतुष्ट रखते हैं और प्रोसेस्ड फूड से दूर रखते हैं, जो मेरी त्वचा और सेहत, दोनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बादाम न केवल पोषण से भरपूर होते हैं, बल्कि इनमें मौजूद विटामिन ई त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है।"

मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में डाइटेटिक्स की रीजनल हेड ऋतिका समद्दार ने बताया, ₹अधिकतर लोग जानते हैं कि अच्छी त्वचा के लिए हेल्दी खाना जरूरी है, लेकिन उन्हें यह समझ नहीं आता कि डाइट में क्या शामिल करें। कई क्लाइंट्स स्किन हेल्थ के लिए कॉम्प्लिकेटेड डाइट्स या सप्लिमेंट्स के बारे में पूछते हैं, लेकिन यह इतना जटिल नहीं है। रोजाना सिर्फ एक मुट्ठी बादाम, साथ में हरी सब्जियां, मौसमी फल और संतुलित आहार] यही काफी है। बादाम विटामिन ई और हेल्दी फैट्स जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं। साथ ही यह जंक फूड की क्रेविंग भी कम करते हैं, जिससे न सिर्फ स्किन, बल्कि समग्र सेहत को भी फायदा होता है।₹

आयुर्वेद विशेषज्ञ मधुमिता कृष्णन ने कहा, ₹त्वचा को फौरन निखारने वाले ट्रीटमेंट्स के इस दौर में वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आधारित, समय की कसौटी पर खरे उतरे उपाय ज्यादा टिकाऊ होते हैं। आयुर्वेद हमेशा यह मानता रहा है कि अंदरूनी सेहत और बाहरी सुंदरता का सीधा संबंध है, जैसा आप खाते हैं, वही आपकी त्वचा पर झलकता है। फल, सब्जियां और बादाम जैसे मेवे से भरपूर आहार त्वचा को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। दरअसल, आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी ग्रंथों में भी बादाम की प्रशंसा की गई है – खासतौर पर त्वचा की चमक और सेहत को बनाए रखने के लिए।₹

नानी ने शुरू की द पैराडाइज की शूटिंग, मेकर्स ने शेयर की फिल्म से जुड़ी खास तस्वीर

साउथ स्टार नानी की आगामी फिल्म 'द पैराडाइजझ अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चचाओं में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं और फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

नानी की मच अवेटेड फिल्म 'द पैराडाइजझ के फैंस के लिए खुशखबरी है। इस फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग में अब आज नानी भी शामिल हो गए हैं। आज नानी का शूटिंग पर पहला दिन था। बीते एक हफ्ते में टीम ने फिल्म की कहानी में बचपन के किरदारों से जुड़े हिस्से की शूटिंग की है। 'द पैराडाइजझ नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं।

मेकर्स की ओर से फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की गई है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा गया है 'धगड़ आ गया है।इस तस्वीर में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है। सिर्फ एक पैर दिख रहा है। जिसमें पैंट और काले जूते नजर आ रहे हैं।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी 25,500 स्तर से ऊपर

मुंबई ,01 जुलाई । सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में खुले। शुरूआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9.26 बजे, सेंसेक्स 188.66 अंक या 0.23 प्रतिशत बढ़कर 83,795.12 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 54.80 अंक या 0.21 प्रतिशत बढ़कर 25,571.85 पर था।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी बाजार के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के साथ, ग्लोबल इक्विटी बाजार का मूड सकारात्मक है और पश्चिम एशियाई भू-राजनीति अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा नहीं है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा, टैरिफ के मोर्चे पर विकास से बाजार प्रभावित होने की संभावना है। भारत-अमेरिका व्यापार सौदा सकारात्मक होगा और अगर ऐसा नहीं होता है, तो बाजार पर असर पड़ने की संभावना है।

शुरूआती कारोबार में निफ्टी बैंक 51.95 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 57,364.70 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 146.45 अंक या 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,887.65 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 52.50 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,127.60 पर था।

विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी का शॉर्ट-टर्म ट्रेंड सकारात्मक बना हुआ है, क्योंकि यह इंडेक्स अभी भी अपने निकटतम मूविंग एवरेज सपोर्ट, 5-डे ईएमए से ऊपर स्थित है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में प्राइम रिसर्च के प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा, निफ्टी ने 3 अक्टूबर, 2024 को बने 25,640-25,740 के गैप रेंज को आंशिक रूप से भर दिया है। 25,740 से ऊपर कोई भी चाल और बंद होना इस गैप प्रतिरोध को नकार देगा और संभावित रूप से निफ्टी की ऊपर की रैली को 26,000 अंक की ओर बढ़ा सकता है। निफ्टी के लिए तत्काल समर्थन 25400 पर आता है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, बीईएल, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, आईटीसी, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड टॉप गेनर्स रहे। वहीं, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, टाटा स्टील, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी और इटरनल टॉप लूजर्स थे। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत मैक्रो भारतीय इक्विटी में फंड प्रवाह को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। डॉलर में निरंतर कमजोरी (डॉलर इंडेक्स अब 96.81 पर है) का मतलब है कि एफआईआई द्वारा भारी बिकवाली की संभावना कम है। वे हाई-वैल्यूएशन के बावजूद भी खरीदारी जारी रख सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर राज्य के सभी चिकित्सकों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रसिद्ध चिकित्सक और राजनेता डॉ विधान चंद्र रॉय के नाम पर हम राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाते हैं। छत्तीसगढ़ के चिकित्सक सुदूर इलाकों में, जंगलों में, नक्सली क्षेत्रों में बहुत ही मुश्किल रास्तों को पार करके, कठिन परिस्थिति में कड़ी मेहनत करके लोगों की सेवा कर रहे हैं। कोरोना महामारी के समय चिकित्सकों ने जो काम किया उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। मै उनके जज्बे, हौसले को सलाम करता हूं। साथ ही ये उम्मीद करता हूं कि वो ऐसे हे जनता की सेवा करते रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि डॉक्टर्स की मेहनत के कारण छत्तीसगढ़ का नाम आज चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक जाना पहचाना नाम है। उनके इस योगदान के लिए पूरा राज्य उनका आभारी है। मै सभी चिकित्सकों को , सपोर्टिंग स्टाफ को डॉक्टर्स डे की बधाई देता हूं।

छत्तीसगढ़ रेरा का बड़ा कदमः बिना पंजीकरण वाले 106 प्रोजेक्ट्स पर कसा शिकंजा

00 बीते 7 वर्षों में 136 प्रकरणों पर स्वतः संज्ञान लेकर की गई कार्यवाही

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक कड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने ऐसे 106 प्रोजेक्ट्स की पहचान की है जो टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से स्वीकृत होने के बावजूद अब तक रेरा अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन प्रोजेक्ट्स का निर्माण अथवा विक्रय कार्य बिना वैधानिक रेरा पंजीकरण के किया जा रहा था, जो कि न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उपभोक्ताओं के हितों के लिए भी अत्यंत नुकसानदेह है।

प्राधिकरण ने इन सभी प्रोजेक्ट्स के प्रमोटरों को नोटिस जारी करते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि रेरा अधिनियम, 2016 का पालन सुनिश्चित करना प्रत्येक प्रमोटर की जिम्मेदारी है। प्राधिकरण ने जानकारी दी है कि पिछले सात वर्षों में 136 प्रोजेक्ट्स के विरुद्ध स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की गई है, जिनमें प्रमोटरों द्वारा बिना पंजीकरण कार्य संचालित किया गया था।

रेरा अधिनियम के अनुसार, बिना पंजीकरण प्रोजेक्ट संचालित करने पर पंजीकरण शुल्क का 400 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क और परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तक जुमार्ना लगाया जा सकता है। रेरा अधिनियम की यही विशेषता है कि वह न केवल उपभोक्ताओं को सुरक्षित निवेश का वातावरण देता है, बल्कि रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और समयबद्धता भी सुनिश्चित करता है।

सीजी रेरा ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की संपत्ति जैसे फ्लैट, प्लॉट, विला या व्यावसायिक इकाई खरीदने से पहले यह अवश्य जांच लें कि संबंधित परियोजना रेरा में पंजीकृत है या नहीं। इसके लिए पोर्टल पर जाकर परियोजना की पंजीकरण स्थिति की जांच की जा सकती है। वहीं, प्रमोटरों को भी सलाह दी गई है कि वे अपनी परियोजनाओं को विधिवत रजिस्ट्रेशन कराएं ताकि किसी प्रकार की शास्ति या कानूनी कार्यवाही से बचा जा सके। प्राधिकरण का उद्देश्य स्पष्ट है कि वह उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना चाहता है और अनियमित एवं अराजक प्रोजेक्ट्स पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। घर खरीदने से पहले रेरा पंजीयन की पुष्टि अवश्य करें, इसी संदेश के साथ सीजी रेरा ने जिम्मेदार नागरिकों और ईमानदार डेवलपर्स से सहयोग की अपील की है।

न्यूज गैलरी

कथित तांत्रिक श्रीवास्तव को 5 जुलाई तक पुलिस रिमांड

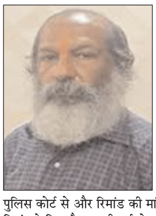

रायपुर। बड़ा फजीर्वाड़ा करने के आरोपित कथित तांत्रिक के.के. श्रीवास्तव को 5 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। इससे पहले पांच दिन की पहली रिमांड खत्म होने पर पुलिस ने आज सीजेएम कोर्ट में दोबारा पेश किया। बताया गया है कि के. के. ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। फिर भी वह पुछताछ में पुलिस को गुमराह करता रहा। पुलिस को कुछ और जानकारी चाहिए ऐसे में पुलिस कोर्ट से और रिमांड की मांग की। इस पर कोर्ट ने 5 जुलाई तक रिमांड दे दिया है। इस बीच ईओडब्ल्यू भी आरोपी श्रीवास्तव से पूछताछ कर सकती है। इसके लिए पत्र लिखा है।

2027 में होने वाले जनगणना कार्य के लिए अपर मुख्य सचिव पिंगुआ बनाए गए नोडल अधिकारी

रायपुर। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने अधिसूचना संख्या क.आ. 2681 (अ) 16 जून 2025 के तहत घोषणा की है कि भारत की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी।

उक्त अधिसूचना भारत सरकार के राजपत्र में 16. जून 2025 को प्रकाशित की गयी है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा, राज्य क्षेत्र में जनगणना गतिविधियों के समन्वय के लिए श्री मनोज कुमार पिंगुआ, अपर मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, गृह एवं जेल विभाग को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव अंशिका ऋषि पाण्डेय के हस्ताक्षर से जारी हुआ।

रूंगटा इंटरनेशनल स्कील्स विश्वविद्यालय भिलाई के सुरीसेट्टी प्रथम कुलपति नियुक्त

रायपुर। राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष रमेन डेका द्वारा डॉ जवाहर सुरीसेट्टी कार्यकारी निदेशक रूंगटा ग्रुप को रूंगटा इंटरनेशनल स्कील्स विश्वविद्यालय भिलाई जिला दुर्ग का प्रथम कुलपति नियुक्त किया गया है।

राज्यपाल द्वारा उनकी नियुक्ति रूंगटा इंटरनेशनल स्कील्स विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 (संशोधन अधिनियम, 2025) की धारा 17(3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। डॉ सुरीसेट्टी का कार्यकाल, परिलब्धियां तथा सेवा शर्ते विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम में निहित प्रावधान अनुसार होंगी। इस संबंध में गत दिवस राजभवन सचिवालय से आदेश जारी किया गया है।

करबला तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का विधायक मूणत ने किया निरीक्षण, दिए व्यापक दिशा-निर्देश

रायपुर। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने आज करबला तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। यह कार्य लगभग 2.44 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक मूणत ने जोन क्रमांक 7 के आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाब के चारों ओर परिक्रमा पथ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे पहले बाहरी सीमा पर सरहदी दीवार (बाउंड्री वॉल) का निर्माण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य प्रारंभ करने से पहले पूरे परिसर की व्यापक सफाई अभियान चलाकर गंदगी हटाई जाए। मूणत ने विशेष रूप से कहा कि मंदिर साइड से पाथवे निर्माण की शुरूआत की जाए, लेकिन इससे पहले उसका मजबूत बेस तैयार किया जाए ताकि भविष्य में वह धंसे नहीं। निरीक्षण के दौरान मंदिर के पीछे एक निजी ट्रांसफॉर्मर की स्थिति पर संदेह व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि इसकी जांच की जाए कि वह निजी या शासकीय भूमि पर स्थापित है। यदि वह शासकीय भूमि पर पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति को उसे अपनी निजी भूमि पर स्थानांतरित करने के लिए कहा जाए। इसके अतिरिक्त, मंदिर के पास स्थित अवैध कब्जों को हटाने हेतु भी विधायक ने निर्देश दिए। निरीक्षण के समय, मंदिर के सामने स्थित एक मकान स्वामी ने यदि निर्माण कार्य में उनका मकान बाधक बनता है तो अपने व्यय पर उसे हटाने की स्वेच्छा जताई, जिसकी विधायक श्री मूणत ने खुले दिल से सराहना की। मूणत ने कहा कि करबला तालाब का सौंदर्यीकरण इस तरह किया जाए कि यह क्षेत्र एक सुंदर, सुरक्षित और सुविधाजनक *वॉकिंग जोन* के साथ-साथ लोगों के लिए ओपन जिम, योग, ध्यान और पारिवारिक सैर हेतु एक आदर्श स्थल बन सके।

विधायक ने करबला तालाब क्षेत्र में विभिन्न कार्यों के लिए जारी किए निर्देश
* आसपास की सीमाओं पर गेट निर्माण
* तालाब के चारों कोनों में चेन माउंटेड मशीन द्वारा मिट्टी सफाई
* मंदिर के पीछे बने कॉम्प्लेक्स में ग्राउंड पार्किंग और सेटबैक की जांच
* पेरीफेरी बाउंड्री का शीघ्र निर्माण
* बरगद के पुराने पेड़ के चारों ओर सजावटी प्लेटफार्म
* हमर क्लिनिक के पास पेवर का मजबूत बेस
* डॉक्टर जाउलकर नर्सिंग होम के पास की हरियाली युक्त भूमि की सफाई और वहाँ ओपन जिम एवं योग केंद्र की स्थापना

महतारी वंदन योजना की 17वीं किश्त के तहत 647 करोड़ हितग्राहियों के खातों में अंतरित

फाईल फोटो

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत आज एक तारीख को माह जुलाई 2025 की सत्रहवीं किश्त का भुगतान जारी कर दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश की 69.23 लाख से अधिक महिलाओं को कुल 647.66 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए इस योजना की शुरूआत मार्च 2024 में की गई थी। अब तक लगातार 17 महीनों में 11081.68 करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की महिलाओं को प्रदाय की जा चुकी है। योजना के अंतर्गत 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की जाती है। योजना से होने वाले भुगतान एवं अन्य जानकारी से अवगत होने के लिए महतारी वंदन योजना के पोर्टल अथवा महतारी वंदन योजना का मोबाईल ऐप भी है जिसे हितग्राही प्लेस्टोर से डाउनलोड कर अपनी जानकारी देख सकते हैं। यदि कोई आवेदिका इस सहायता राशि का लाभ नहीं लेना चाहती है, अर्थात लाभ त्याग करना चाहती है तो वे पोर्टल में लाभ त्याग के ऑप्शन में जाकर लाभ त्याग कर सकती है।

महतारी वंदन योजनांतर्गत सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। जिन हितग्राहियों का खाता डीबीटी इनेबल नहीं है वे तत्काल बैंक जाकर आधार सीडिंग करवायें क्योंकि उनको भुगतान किये जाने पर राशि वापस हो जा रही है तथा इस हेतु उन्हें एसएमएस के माध्यम से सूचित भी किया गया है। यदि किसी हितग्राही को किसी प्रकार की शिकायत हो तो इस पोर्टल में शिकायत करें ऑप्शन में जाकर अपनी समस्या ऑनलाईन दर्ज कर सकती है।

आधार कार्ड अपडेट कराने की अपील

महिला एवं बाल विकास विभाग ने हितग्राही महिलाओं से अपील की है कि वह अपना आधार कार्ड अपडेट कराएं, ताकि राशि के भुगतान में किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। ज्ञात हो कि आधार कार्ड को हर 10 वर्षों में अपडेट करना अनिवार्य है। कई हितग्राहियों का भुगतान आधार इनएक्टिव होने के कारण निरस्त किया गया है। ऐसे हितग्राहियों को आधार केंद्र में जाकर पहचान एवं निवास प्रमाण-पत्र के साथ आधार अपडेट कराना आवश्यक है, ताकि आगामी किश्त का भुगतान सुनिश्चित हो सके।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने जारी किए 10 बड़े चूककर्ताओ की सूची

रायपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा भविष्य निधि अंशदान, ब्याज एवं क्षतिपूर्ति की बकाया राशि की वसूली के लिए एक विशेष अभियान चलाया और10 बड़े चूककर्ताओ की सूची जारी की। जिसमें संस्था कोड सीजी/20412 बीएसआर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स लिमिटेड, 15 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, नेहरू नगर, भिलाई, दुर्ग का 6,66,11,404 रुपये, कोड सीजी/17621 आइडिया इंक मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर का 1,64,12,240 रुपये, सीजी/18226 किरोडीमल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का 1,01,32,341 रुपये, सीजी/18885 प्रतिभा फ्लोकॉन इंजी. प्राइवेट/लिमिटेड, दुर्ग का 38,18,251 रुपये, सीजी/23696 डी वी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, रायपुर का 33,92,851 रुपये, सीजी/19712 भिलाई बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर का 29,25,766 रुपये, सीजी/20847 एशिया फैब्रिकेटर्स, दुर्ग का 25,71,409 रुपये, सीजी/21202 कनेलाइट फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज (पी) लिमिटेड, रायगढ़ का 17,38,762 रुपये, सीजी/18663 पद्मनी धुर्वे, संग्रामचौक, सिकोलाभाटा, दुर्ग का 16,89,716 तथा सीजी/11627 श्री साईबाबा एसोसिएट्स, रायपुर का 16,68,174 रुपये शामिल है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शत-प्रतिशत बकाया राशि की प्रभावी वसूली सुनिश्चित करना था।

इस वर्ष कुल 61.13करोड़ की वसूली 1167 चूककर्ता संस्थानों से करने की कार्यवाही की जा रही है, जिसमें से अब तक 38.70 प्रतिशत वसूली सफलतापूर्वक की जा चुकी है।शेष बकाया की वसूली हेतु प्रवर्तन अधिकारियों की विशेष टीमें गठित की गई हैं जो सघन कार्रवाई कर रही हैं। गत वर्ष 2024-25, पी.एफ कार्यालय, रायपुर द्वारा 911 चूककर्ता संस्थानों से 42.91/- करोड़ की वसूली की गई थी, जो की 71.94 प्रतिशत थी।इसके अंतर्गत 166 चूककर्ता संस्थानों की बैंक खातो को सीज किया गया था। वर्तमान में क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा बकाया वसूली हेतु बैंक खातों की कुर्की, परिसंपत्तियों की जब्ती एवं दोषी नियोक्ताओं की गिरफ्तारी जैसे कड़े कदम उठाए जाने संभावित हैं।

रेल यात्री किराये में हुई वृद्धी, किराये का यह तय हुआ स्लैब

00 साधारण श्रेणी में 500 किलोमीटर तक कोई वृद्धि नहीं; 501 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 5 रुपये और 2500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर की दूरी के लिए 15 रुपये की वृद्धि

रायपुर। किराया संरचनाओं को सुव्यवस्थित करने और यात्री सेवाओं की वित्तीय स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से, रेल मंत्रालय ने 01 जुलाई 2025 से यात्री ट्रेन सेवाओं के मूल किराए को युक्तिसंगत बना दिया है। संशोधित किराए भारतीय रेलवे सम्मेलन संघ (आईआरसीए) द्वारा जारी अद्यतन यात्री किराया तालिका पर आधारित हैं।

किराया युक्तिकरण की मुख्य विशेषताएं (1 जुलाई 2025 से प्रभावी)

उपनगरीय एकल यात्रा किराये और सीजन टिकटों (उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्गों के लिए) में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

साधारण गैर-एसी श्रेणियों (गैर-उपनगरीय रेलगाडि ?ों) के लिए

द्वितीय श्रेणीः प्रति किलोमीटर आधा पैसा बढ़ाया जाएगा, यह निर्भर करेगा

* 500 किलोमीटर तक कोई बढ़ोतरी नहीं
* 501 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 5 रुपये की बढ़ोतरी
* 1501 से 2500 किलोमीटर की दूरी के लिए 10 रुपये की बढ़ोतरी
* 2501 से 3000 किलोमीटर की दूरी के लिए 15 रुपये की बढ़ोतरी

स्लीपर क्लासः 0.5 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी

प्रथम श्रेणीः 0.5 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए (गैर-एसी):

* द्वितीय श्रेणीः 01 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि
* स्लीपर श्रेणीः 01 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि
* प्रथम श्रेणीः 01 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि, एसी श्रेणी के लिए (मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें)

एसी चेयर कार, एसी 3-टियर/3-इकोनॉमी, एसी 2-टियर, और एसी फर्स्ट/एग्जीक्यूटिव क्लास/ एग्जीक्यूटिव अनुभूतिः 02 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी

संशोधित श्रेणी-वार किराया संरचना के अनुसार किराया संशोधन प्रमुख और विशेष ट्रेन सेवाओं जैसे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और सामान्य गैर-उपनगरीय सेवाओं पर भी लागू होता है।

सहायक शुल्क में कोई परिवर्तन नहीं

* आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य शुल्क अपरिवर्तित रहेंगे।
* जीएसटी नियमों के अनुसार लागू रहेगा।
* किराया राउंडिंग सिद्धांत मौजूदा मानदंडों के अनुसार बने रहेंगे।

कार्यान्वयन

संशोधित किराया 01.07.2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा। इस तिथि से पहले जारी किए गए टिकट किराये में बिना किसी सुधार के मौजूदा किराए पर वैध रहेंगे। पीआरएस, यूटीएस और मैनुअल टिकटिंग सिस्टम को तदनुसार अपडेट किया जा रहा है। रेल मंत्रालय ने संशोधित किराया संरचना का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी जोनल रेलवे को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जोनल रेलवे को सभी स्टेशनों पर किराया डिस्प्ले अपडेट करने का भी निर्देश दिया गया है।

नगरीय प्रशासन विभाग में 70 अधिकारी - कर्मचारी का हुआ तबादला

रायपुर। नगरीय प्रशासन विभाग में 70 अधिकारी-कर्मचारी का तबादला कर दिया गया है जिनमें डिप्टी डायरेक्टर, सीएमओ, इंजीनियर, अकाउंटेंट प्रभावित हुए है। उक्त आदेश 30 जून को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अवर सचिव अजय तिर्की ने के हस्ताक्षर से जारी हुआ। नवापारा नगर पालिका में पदस्थ सीएमओ प्रदीप मिश्रा को धमतरी भेजा गया है। लवकेश कुमार को गोबरा नवापारा का सीएमओ बनाया गया है। इसी प्रकार गरियाबंद सीएमओ गिरीश कुमार चंद्रा को बागबाहरा की जिम्मेदारी दी गई है। छुरा सीएमओ लालसिंह मरकाम को सरिया नगर पंचायत सीएमओ बनाया गया है। गरियाबंद पालिका में पदस्थ लेखापाल दुष्यंत साहू को देवभोग नगर पंचायत के सीएमओ बनाया गया है।

डीकेएस अस्पताल की पार्किंग के पीछे से 5 किलो गाजे के साथ गुडिया और ईम्मू गिरफ्तार

रायपुर। डीकेएस अस्पताल की पार्किंग के पीछे एक महिला और पुरुष मादक पदार्थ गांजा लेकर ग्राहक की तलाश कर रहे थे कि गोलबाजार पुलिस वहां आ धमकी और अफसाना बी उर्फ गुडिया और मोह. निजामुद्दीन उर्फ ईम्मू, निवासी मोतीबाग चौक यूनियन क्लब के सामने को 5 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 50,000 रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछने पर वे इस संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 20बी नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 111/2025 दर्ज कर कार्रवाई की। बताया जाता है कि अफसाना बी उर्फ गुडि ?ा पूर्व में गोलबाजार थाना क्षेत्र से 110 पौवा अवैध शराब के साथ पकड़ी गई थी, जिस पर 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।मोह. निजामुद्दीन उर्फ ईम्मू को पूर्व में भी गांजे के साथ पकड़े जाने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेजा गया था।

अभनपुर के पास सड़क हादसे में तीन की मौत, कई घायल

रायपुर। अभनपुर के केन्द्री गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। वहीं वाहन में फंसे अन्य लोगों को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया व मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। घटना सुबह चार बजे की बतायी जा रही है। हादसा रायुपर-अभनपुर हाइवे पर हुआ। इस हादसे में एक तेज रफ्तार स्लीपर बस ने हाइवा वाहन को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयंकर था कि, स्लीपर बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और आधा दर्जन से अधिक घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, रॉयल ट्रेवल्स की बस जगदलपुर से रायपुर आ रही थी। इसी दौरान अभनपुर-रायपुर हाइवे पर केन्द्री गांव के पास बस ने हाइवा वाहन को टक्कर मार दी। इस हादसे के समय बस में 20 यात्री सवार थे, जिनमे से तीन की मौत हो गई और आधा दर्जन से अधिक घायल हो गए। बस और हाइवा के बीच टक्कर इतनी भीषण थी कि, दोनों ही वाहन सड़क किनारे जा धंसे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com